MPHIN/2021/83938

दैनिक पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

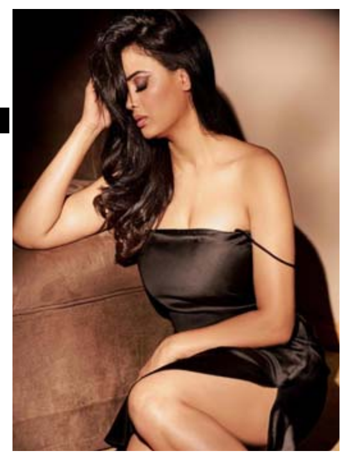

ग्वालियरः वर्षः 3 : अंकः 356 | ग्वालियर, शुक्रवार 06, सितंबर 2024 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए

न्यूज़ ट्रैक

मंदिर तोड़ने वालों को नहीं पढ़ाएंगे, 5 साल के मुस्लिम बच्चे पर लगाया धार्मिक उन्माद फैलाने का आरोप

अमरोहा। देश में राजनीतिक पार्टियों के द्वारा हिंदू-मुस्लिम का फसल इस कदर बोया गया है कि इसका असर गली-मोहल्लों में तो था ही लेकिन अब यह विद्या के मंदिर में फलती जा रही है। जी हां, जिस विद्यालय में सभी धर्मों का हो सम्मान...मानव-मानव एक समान जैसे स्लोगन लिखे जाते हों। उन विद्यालयों में भी अब धार्मिक भेदभाव ने अपनी जगह बना ली है। सोचिए क्या होगा अगर जिस गुरू के हाथ में बच्चों के भविष्य का डोर होता है उसे ही बच्चों के अंदर धर्म दिखने लगे। धर्म के आधार पर भेदभाव करने लगे। दरअसल, यूपी के महोबा जिले में जोया रोड पर हिल्टन पब्लिक स्कूल के प्रधानाचार्य ने एक 5 साल के मासूम पर क्लास में नानवेज और धार्मिक उन्माद फैलाने का आरोप लगाते हुए उसे विद्यालय में पढ़ाने से इंकार कर दिया और सुबह से दोपहर तक बैठा कर रखा क्लास में नहीं जाने दिया। जब परिजनों को इस बात की भनक लगी तो वह परिसर में पहुंचे और प्रधानाचार्य से बच्चे को न पढ़ाने का कारण पूछे तो वह परिजनों से बहस करने लगा। नफरती प्रधानाचार्य ने इस दौरान बच्चे के माता से यह भी कह दिया कि हम मंदिर तोड़ने वालों को अपने यहां नहीं पढ़ाएंगे। आपका लड़का मंदिर तोड़ने की बात करता है। जरा सोचिए प्रधानाचर्य ने यह आरोप एक 5 साल के विद्यार्थी पर लगाया है। शिक्षा के मंदिर में मजहबी जहर घोलने की कोशिश करने वाले शिक्षक का वीडियो वायरल होने के बाद मुस्लिम कमेटी के लोगों ने इसकी शिकायत करने के लिए अमरोहा उपजिलाअधिकारी को इस मामले में ज्ञापन सौंपा है। इसके साथ ही केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के पास भी इस शिकायत को लेकर जाने की बात कही है। मुस्लिम समाज के लोगों ने कहा है कि आने वाले हमारे नस्लों पर अभी से गंभीर आरोप लगाए जा रह हैं। एक स्कूल के गुरू ने 5 साल के बच्चे पर धार्मिक उन्माद फैलाने का आरोप लगाया है हम चाहते हैं कि ऐसे शिक्षक के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए, उसे गिरफ्तार कर जेल भेज देना चाहिए। कोई भी माता पिता अपने बच्चे को स्कूल के मंदिर में बच्चों को इस लिए भेजते हैं कि उनके बच्चों का भविष्य उज्ज्वल हो सके न कि धार्मिक उन्माद फैलाएं।

बिहार विधानसभा चुनाव में कुशवाहा समाज को देंगे सबसे ज्यादा टिकट

पटना। आज यानी गुरुवार को राजद ऑफिस में जगदेव प्रसाद के शहादत दिवस पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के साथ लालू प्रसाद यादव भी शामिल हुए। वहीं, इस दौरान तेजस्वी यादव ने कुशवाहा समाज से आने वाले शहीद नेता जगदेव प्रसाद को भारत रत्न देने की मांग की और कहा कि अब यादव भाई और कुशवाहा भाई में लड़ाई नहीं होगा। दोनों आपस में मिलकर आगे बढ़ेंगे। तेजस्वी यादव ने कहा कि लालू सहित पूरा आरजेडी कुशवाहा के साथ खड़ा है। लोकसभा में सबसे ज्यादा टिकट कुशवाहा समाज को दिया गया। अब विधानसभा में भी कुशवाहा समाज को पूरा सम्मान दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि जब तक पिछड़ा गोलबंद नहीं होगा तब तक लड़ाई नहीं जीता जा सकता। चालाकी से आरक्षण खत्म किया जा रहा है। लेटरल बहाली के जरिए आरक्षण खत्म करने की साजिश रची गई। आरजेडी ने लड़ाई लड़ी तब भारत सरकार को कदम वापस लेना पड़ा। मैंने ऐलान किया था, आप एक कदम आगे बढ़ेंगे तो तेजस्वी चार कदम आगे बढ़ेगा। मैं जो लड़ाई लड़ रहा हूं, उसमें आपका साथ चाहिए। लोकसभा में कुशवाहा समाज ने साबित किया वो हमारे साथ है। कुशवाहा समाज ने लोकसभा में भरपूर वोट दिया। पिछड़ों को लड़ाने का बीजेपी साजिश रच रही हैं। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि जातीय गणना के लिए सभी दल पीएम से मिले, लेकिन पीएम ने जातीय गणना करने से मना कर दिया। 17 महीने में आरजेडी ने जो काम किया वो किसी ने नहीं किया। आरजेडी ने जातीय गणना करवाने का काम किया। गणना में सभी समाज की स्थिति सामने आई। सभी गरीब को सालाना 2 लाख देने का ऐलान किया। बिहार में 65 फीसदी आरक्षण देने का ऐतिहासिक काम किया। 65 फीसदी आरक्षण को नौवीं अनुसूची में डालने का आग्रह किया तो केंद्र सरकार ने नौवीं अनुसूची में शामिल नहीं किया। जदयू का रोल क्या है समझ से परे है। नीतीश कुमार चाहे तो आरक्षण नौवीं अनुसूची में शामिल हो सकता है, लेकिन नीतीश कुमार चुप क्यों हैं समझ नहीं आता। जदयू के सांसद अगर पीछे हट गए तो केंद्र सरकार खत्म हो जाएगी।

71 साल का हैवान! 10 साल तक 72 अजनबियों से कराया पत्नी का रेप, ऐसे बुलाता था घर

नई दिल्ली। फ्रांस से एक बेहद चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जिसमें 71 वर्षीय व्यक्ति पर अपनी पत्नी के साथ 10 वर्षों तक 72 अजनबियों द्वारा बलात्कार कराए जाने का आरोप लगा है। यह व्यक्ति अपनी पत्नी को लगातार ड्रग्स देकर बेहोशी की हालत में रखता था ताकि वह अपने साथ हो रहे शारीरिक शोषण से अनजान रहे। इस मामले में कोर्ट में सुनवाई जारी है। घटना फ्रांस के डोमिनिक नामक व्यक्ति की है, जिसने अपनी 72 वर्षीय पत्नी गिजेल के साथ 10 वर्षों तक अमानवीय कृत्य किए। डोमिनिक ने अपनी पत्नी का शोषण कराने के लिए 72 लोगों से संपर्क किया और उन्हें अपने घर बुलाकर गिजेल का बलात्कार कराया। इस दौरान गिजेल को ड्रग्स देकर बेहोशी की हालत में रखा जाता था, जिससे वह अपने साथ हो रहे अत्याचार से पूरी तरह अनजान थीं।

डोमिनिक ने बलात्कारी व्यक्तियों के लिए कुछ नियम भी बनाए थे। उसने निर्देश दिया था कि वे गिजेल को जगाने की कोशिश न करें, आफ्टरशेव या सिगरेट का इस्तेमाल न करें, और घर में प्रवेश

करने से पहले नाखून काट लें। इसके अलावा, उसने मर्दों को अपने कपड़े रसोई में उतारने के निर्देश दिए ताकि कोई सुराग न मिले। यह अमानवीय कृत्य 2011 से 2020 तक चला।

इस साजिश का खुलासा तब हुआ जब पुलिस ने डोमिनिक को महिलाओं के कपड़ों के नीचे छुपकर वीडियो बनाने के आरोप में गिरफ्तार किया। जांच के दौरान पुलिस को उसके घर से ऐसे सबूत मिले जो उसकी पत्नी के साथ हुए शोषण को प्रमाणित करते हैं। अब तक 51 लोगों की पहचान की जा चुकी है, जिनमें कई शादीशुदा और उच्च पदों पर काम करने वाले लोग शामिल हैं। गिजेल ने इस अन्याय के खिलाफ कानूनी लड़ाई शुरू की है और अपनी पहचान छिपाने से इंकार किया है। उनका कहना है कि वह इस घटना को दुनिया के सामने लाना चाहती हैं ताकि समाज में जागरूकता फैल सके। मामले की सुनवाई अब कोर्ट में चल रही है। आरोपी डोमिनिक और 20 अन्य लोगों को हिरासत में रखा गया है, जबकि बाकी लोग जमानत पर रिहा हैं। गिजेल का कहना है कि उन्हें उन घटनाओं की कोई याद नहीं है, लेकिन वह अब इस सच्चाई के साथ जीने की हिम्मत जुटा रही हैं।

यात्रियों की लापरवाही से रेलवे विभाग हुआ मालामाल, कहीं आप भी तो नहीं करते ये गलतियां

नई दिल्ली। रेलवे के द्वारा कई बार टिकट चैकिंग अभियान चलाए जाते है। जिसमें हजारों की संख्या में लोग बिना टिकट यात्रा करते हुए पकड़े जाते है। पकड़े गए यात्रियों के द्वारा टिकट चैकिंग स्टाफ फाइन के रुप में पैसे लेते है। जिससे रेलवे को जाने-अनजाने में अच्छी खासी आमदनी हो जाती है। कुछ ऐसा ही मामला आया है उत्तर रेलवे के फिरोजपुर मंडल से यहां टिकट चैकिंग के दौरान लगभग 2 कोरड़ रुपए का राजस्व वसूला गया है। दरअसल, उत्तर रेलवे के एक प्रवक्ता ने वीरवार को कहा कि फिरोजपुर मंडल के टिकट चैकिंग दल द्वारा सभी वास्तविक रेल उपयोगकर्ताओं को आरामदायक यात्रा और बेहतर सेवाएं प्रदान करने के लिए टिकट रहित और अनियमित यात्रा पर अंकुश लगाने के लिए ट्रेनों में गहन टिकट जाँच किया जाता है। मंडल के टिकट चेकिंग स्टाफ एवं मुख्य टिकट निरीक्षकों द्वारा अगस्त, 2024 के दौरान ट्रेनों में टिकट चैकिंग के दौरान कुल 22,242 रेलयात्री बिना टिकट अथवा अनियमित यात्रा करते हुए पाए गए एवं उनसे जुर्माने के तौर पर लगभग 02 करो? रूपए का राजस्व वसूल किया गया। इससे फिरोजपुर मंडल के आय में वृद्धि हुई है जो कि टिकट चैकिंग स्टाफ द्वारा किया गया सराहनीय कार्य है।

रेलवे अधिकारियों ने भी ट्रेनों में यात्रियों के अनधिकृत प्रवेश को रोकने के लिए लगातार सरप्राइज टिकट चैकिंग अभियान भी चलाए, जिसमें यात्रियों को उचित टिकट लेकर ट्रेन में सफर करने की सलाह दी गई। मंडल के रेलवे स्टेशनों को साफ-सुथरा बनाए रखने तथा आम जनता को स्टेशनों पर गंदगी फैलाने से रोकने एवं उनको साफ-सफाई के प्रति जागरूक बनाने के लिए मंडल के मुख्य स्टेशनों पर नियमित जाँच की जाती है। इसके फलस्वरूप अगस्त माह में 476 यात्रियों को स्टेशन परिसर में गंदगी फैलाने के कारण (एंटी लिटरिंग एक्ट) उनसे 79 हजार रूपए से अधिक वसूल किए गए। साथ ही समय-समय पर साफ-सफाई के प्रति रेलयात्रियों को जागरूक करने हेतु सफाई अभियान भी चलाया जाता है। मंडल रेल प्रबंधक संजय साहू ने बताया कि फिरोजपुर मंडल में टिकट चैकिंग अभियान जारी रहेंगे। टिकट चैकिंग का मुख्य उद्देश्य रेलवे टिकटों की बिक्री में सुधार और कोई भी यात्री बिना टिकट लेकर यात्रा न करें अर्थात् फिरोजपुर मंडल में शून्य टिकट रहित यात्रा का लक्ष्य रखा गया है।वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री परमदीप सिंह सैनी ने बताया कि फिरोजपुर मंडल के टिकट चेकिंग स्टाफ रेल राजस्व में ब?ोतरी के साथ-साथ यात्रियों की मदद कर सामाजिक कर्त्तव्य भी निभाते हैं, कार्य के प्रति समर्पित टिकट चेकिंग स्टाफ के मनोबल को ब?ाने के लिए समय-समय पर प्रशंसा प्रमाण पत्र देकर उनको सम्मानित किया जाता हैं।

जम्मू-कश्मीर को फिर से अराजकता-आतंकवाद की आग में झोंकना चाहते हैं कांग्रेस-नेकां : अनुराग ठाकुर

किश्तवाड़/ जम्मू कश्मीर- पूर्व केंद्रीय मंत्री व हमीरपुर लोकसभा क्षेत्र से सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने किश्तवाड़ में भारतीय जनता पार्टी के चुनाव प्रचार अभियान में किश्तवाड़ व पैडर नागसेनी विधानसभा में पदयात्रा, रोडशो व जनसभाओं को संबोधित कर पार्टी प्रत्याशी शगुन परिहार व सुनील शर्मा जी को भारी मतों से विजयी बनाने का आह्वाह्न किया। साथ ही अनुराग ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस व नेशनल कांफ्रेंस धारा 370 को वापस लाकर जम्मू-कश्मीर को फिर से अराजकता-आतंकवाद की आग में झोंकना चाहती है। अनुराग ठाकुर ने कहा, जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनावों में आज पार्टी के प्रचार अभियान के अन्तर्गत किश्तवाड़ में पदयात्रा व जनसभा के माध्यम से यहाँ अमन-चैन बनाने रखने व विकास के लिए भाजपा को जिताने का अनुरोध किया। किश्तवाड़ की जनता का उत्साह, उमड़ा जनसैलाब व भाजपा के प्रति अगाध प्यार प्रमाण है कि जम्मू-कश्मीर में भाजपा भारी बहुमत से सरकार बनाने जा रही है। 60 साल देश पर कांग्रेस के राज करने के बाद भी राहुल गांधी-प्रियंका गांधी कश्मीर के बर्फ के गोले खेलने नहीं आए। उन्होंने आगे कहा, %%मोदी जी ने कश्मीर से 370 ख़त्म किया, तो आज गांधी परिवार वादियों में छुट्टियाँ मना पा रहा हैज्और अब कांग्रेस-नेशनल कांफ्रेंस 370 फिर लागू करके जम्मू-कश्मीर को फिर से अराजकता-आतंकवाद-अलगाववाद की आग में झोंकना चाहते हैं। जम्मू-कश्मीर ने दशकों तक गांधी-अब्दुल्ला परिवार की ग़लतियों का दंश झेला है, कितने परिवार उजड़ गये, कितने ही सैनिक शहीद हो गये, आर्थिक विकास में जम्मू-कश्मीर पिछड़ गया। मोदी जी के नेतृत्व में जम्मू-कश्मीर ने अब विकास और अमन का स्वाद चख लिया है इसलिए अब गांधी-अब्दुल्ला परिवार के झाँसे में नहीं आयेगा और फिर यहाँ भाजपा की सरकार बनाएगा। अनुराग ठाकुर ने कहा, एक समय था जब कश्मीर संघर्ष, आतंकवाद, और अस्थिरता का पर्याय बन चुका था। लेकिन आज, हम एक ऐसे जम्मू-कश्मीर की आबो-हवा में जी हैं, जो शांति, विकास, और समृद्धि की राह पर आगे बढ़ रहा है। इस परिवर्तन की कहानी सिर्फ़ किसी राजनीतिक बदलाव की नहीं है, बल्कि यह कहानी है दृढ़ संकल्प, निष्ठा, और कश्मीर के लोगों के प्रति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विशेष संवेदनशीलता की। कश्मीर के लोगों के साथ हर कदम पर खड़े रहने का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का संकल्प किसी से छिपा नहीं है। उन्होंने अपने नेतृत्व में कश्मीर को एक नई दिशा दी है। अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा, आज यहाँ एम्स है, आईआईटी है, 11 मेडिकल कॉलेज है, निफ्ट है, आईआईएमसी है , थोड़ी शांति हुई है तो पर्यटक रिकॉर्ड संख्या में आ रहे हैं, आधारभूत संरचना का विकास हो रहा है, रेलवे लाइन की दुनियाँ भर में चर्चा हो रही है और सबसे बड़ी बात शीतल देवी जैसे युवा जम्मू कश्मीर के कोने-कोने से निकलकर अपनी प्रतिभा के बूते देश भर के लोगों का प्यार पा रहे। नया जम्मू कश्मीर है जो शेष भारत में साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलना चाहता है। साल के 8 महीने कर्फ़्यू में रहकर नहीं। उन्होंने कहा, मोदी सरकार हर क्षेत्र में कितना तेजी से यहाँ विकास कर रही है।

शिवाजी की मूर्ति ढहने पर पीएम मोदी ने माफी क्यों मांगी राहुल गांधी ने गिनाए तीन कारण

नई दिल्ली। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार अभियान की वस्तुतः शुरुआत करते हुए लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को हाल ही में सिंधुदुर्ग में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा गिरने की घटना के लिए महाराष्ट्र के प्रत्येक व्यक्ति से माफी मांगनी चाहिए। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन की आलोचना करते हुए राहुल गांधी ने आश्चर्य जताया कि प्रधानमंत्री को केवल छत्रपति से ही माफी क्यों मांगनी चाहिए और उन्हें मालवण में राजकोट किले में हुई त्रासदी के लिए सभी महाराष्ट्रवासियों से माफी मांगनी चाहिए, जो एक भ्रष्टाचार से भरी परियोजना के कारण हुई थी। राहुल गांधी ने बिना किसी रोक-टोक के हमला करते हुए कहा, ÷केवल वही व्यक्ति माफी मांगेगा जिसने गलती की हो। प्रधानमंत्री ने माफी क्यों मांगी। इसके कई कारण हैं। सबसे पहले, यह परियोजना आरएसएस से जुड़े लोगों को दी गई थी, दूसरे, इसके निर्माण में भ्रष्टाचार हुआ था और इसे बनाने वालों ने राज्य को लूटा था और तीसरे, छत्रपति की मूर्ति तो बनाई गई, लेकिन उन्होंने इस बात का ध्यान नहीं रखा कि यह खड़ी रहेगी या नहीं। इसलिए छत्रपति शिवाजी महाराज जैसे महान व्यक्ति की मूर्ति इतने कम समय में गिर गई।÷ कांग्रेस नेता स्थानीय दिग्गज दिवंगत पतंगराव कदम की मूर्ति का अनावरण करने के बाद एक सार्वजनिक रैली को संबोधित कर रहे थे, जिनका मार्च 2018 में निधन हो गया था। राहुल गांधी ने कहा कि महाराष्ट्र एक प्रगतिशील राज्य है और छत्रपति शिवाजी महाराज, राजर्षि छत्रपति शाहू महाराज, महात्मा ज्योतिराव फुले, बी.आर. अंबेडकर जैसे महापुरुषों की विचारधाराओं और शिक्षाओं से ओतप्रोत है और आज देश राजनीति नहीं बल्कि वैचारिक युद्ध÷ देख रहा है। राहुल गांधी ने कहा, कांग्रेस की विचारधारा भी उनसे काफी मिलती-जुलती है... लेकिन भाजपा के आदर्श इन महान महापुरुषों के विपरीत हैं। भाजपा दशकों से पूरे भारत में नफरत फैला रही है, हिंसा भड़का रही है और लोगों को बांट रही है।

कोलकाता रेप मामले में बड़ा खुलासा, सबूत मिटाने के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष ने रची थी ये साचिश

नई दिल्ली। कोलकाता के रेप और मर्डर केस में आरजी कर मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष और कोलकाता पुलिस पर गंभीर आरोप लग रहे हैं। मृतका के माता-पिता और जूनियर डॉक्टर्स ने इस मामले को दबाने और सबूतों से छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया है। विशेष रूप से, सीबीआई द्वारा इस केस को अपने हाथ में लेने से पहले सेमिनार हॉल के बगल के कमरों को रेनोवेशन के नाम पर तोड़ दिया गया, जिसमें टॉयलेट भी शामिल था। यह कार्रवाई उस दिन की गई जब सीबीआई ने केस की जांच शुरू की, और इससे इस बात की आशंका उठती है कि सबूतों को मिटाने की कोशिश की गई हो। इस मामले में संदीप घोष की गिरफ्तारी वित्तीय अनियमितताओं के आरोप में हुई है, और सीबीआई ने उनसे कई बार पूछताछ की है। इस पूरे मामले में सतर्कता और पारदर्शिता की आवश्यकता है ताकि न्याय सुनिश्चित किया जा सके।

टॉयलेट के अचानक रेनोवेशन की वजह और इसके लिए आदेश देने वाले की पहचान पर सवाल उठ रहे हैं। हिंदी को एक दस्तावेज़ मिला है जो इस मामले में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करता है। दस्तावेज़ में आरजी कर मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष द्वारा लिखा गया पत्र शामिल है। इस पत्र में संदीप घोष ने लोक निर्माण विभाग को टॉयलेट के रेनोवेशन की अनुमति देने के लिए लिखा था। पत्र में बताया गया है कि संदीप घोष ने ऑन-ड्यूटी डॉक्टरों को टॉयलेट रूम को तोड़ने का आदेश दिया था। इस आदेश पर संदीप घोष के हस्ताक्षर भी हैं और ये निर्देश 10 अगस्त के हैं। ध्यान देने वाली बात यह है कि ट्रेनी डॉक्टर की हत्या 8 अगस्त की आधी रात को की गई थी। तो इतनी गंभीर घटना के बाद टॉयलेट को तोड़ने का आदेश देने की वजह क्या हो सकती है, यह सवाल उठ रहा है। इसके साथ ही, आरजी कर का सेमिनार रूम किसके आदेश पर तोड़ा गया, यह भी कोर्ट में उठाया गया सवाल है। दस्तावेज़ में स्पष्ट है कि संदीप घोष ने लोकनिर्माण विभाग के सिविल और इलेक्ट्रिकल इंजीनियर को भी निर्देश जारी किए थे। ऐसी स्थिति में, जहां एक महत्वपूर्ण घटना घटी है, घटनास्थल को तोड़ने का आदेश क्यों दिया गया, यह एक बड़ा प्रश्न है।

शिक्षक का स्थान नहीं ले सकती प्रौद्योगिकी: पचौरी

जिला योग प्रभारी चाकणकर सहित चार शिक्षक सम्मानित

महेंद्र शर्मा उप संपादक पुष्पांजलि टुडे

ग्वालियर यह सही है कि प्रौद्योगिकी छात्रों को सीखने में सहायता कर रही है और यह शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। लेकिन, अभी तक, इसमें शिक्षकों की जगह लेने की शक्ति नहीं है क्योंकि मानव संपर्क को कंप्यूटर द्वारा प्रतिस्थापित नहीं किया जा सकता है और मानव कौशल को प्रौद्योगिकी द्वारा नहीं सिखाया जा सकता है।यह बात प्रसिद्ध शिक्षाविद डॉक्टर उमाशंकर पचौरी ने भगिनी निवेदिता शिक्षा समिति द्वारा आयोजित शिक्षक सम्मान में व्यक्त किये डॉक्टर पचोरी ने कहा कि शिक्षक में चार गुण होते हैं नंबर एक सदव्यवहार ,नंबर दो विषय का ज्ञान, नंबर तीन उसके विषय को प्रस्तुत करने की कला और नंबर चार अपने विद्यार्थियों के मध्य लोकप्रियता ,यह सामर्थ्य प्रौद्योगिकि में कभी नहीं आ सकते !मुख्य अतिथि विजय दीक्षित ने कहा कि शिक्षक का सम्मान हर दिन होना चाहिए और एक शिक्षक को भी दूसरे शिक्षक का सम्मान करना चाहिए, कार्यकम के अध्यक्ष पूर्व संयुक्त संचालक आर के उपाध्याय ने विद्यार्थियों के समय पूर्व युवा होने पर चिंता जताते हुए शिक्षको से माध्यमिक कक्षाओं तक मोबाइल का उपयोग ना करने की सलाह दी इस अवसर पर अतिथि द्वारा जिला योग प्रभारी दिनेश चाकणकर मनीष लिमये, कुसुम शर्मा तथा गया वीना सुरंगे को उत्कृष्ट शिक्षक से सम्मानित किया गया। पंचतत्व स्टोरी ऑफ **सुपर हीरो पुस्तक का विमोचन-** शिक्षक दिवस पर आयोजित. इस कार्यक्रम में पंचतत्व स्टोरी ऑफ सुपर हीरो पुस्तक का विमोचन भी किया गया।

पुस्तक की जानकारी लेखिका दीपिका विटवेकर बताती है की ब्रम्हांड पंचतत्व अग्नि वायु आकाश जल और पृथ्वी से मिलकर बना होता है. वैसे ही हम भी इसी के अंश है। बच्चो की सूंदर कॉमिक्स में हमारा सुपरहीरो श्रीमेन है जो बच्चो को उनके अंदर छिपे गुणों से रूबरू करवाता है की अगर बच्चे ठान ले तो कुछ भी कर सकते हैं। ये कहानी उन बच्चों के लिए है जो इस दुनिया में हो रहे प्रकृति के साथ खिलवाड़ के लिए आवाज उठाना चाहते है और उठा रहे है। ये कॉमिक्स बच्चो और बड़े दोनों के लिए है जिससे वो प्रकृति से अपना जुड़ाव महसूस करेंगे।

30 वर्षों से आदिवासी अंचल के स्कूलों में शिक्षा का अलख जगा रहे शिक्षक श्री बिल्लौरे

खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

खरगोन जिले के आदिवासी जनपद क्षेत्र भगवानपुर में शिक्षक श्री मनोज बिल्लौरे पिछले 30 वर्षों से आदिवासी विद्यार्थियों के बीच शिक्षा का अलख जगा रहे हैं। 1994 में ठेठ आदिवासी ग्राम बन्हुर में श्री बिल्लौरे को प्रथम नियुक्ति मिली थी, जहां पर विद्यालय का भवन भी नहीं था। ऐसे में पेड़ के नीचे 20 के रोलर बोर्ड पर इन्होंने अध्यापन कार्य प्रारंभ कराया था। उस समय दो विद्यार्थी स्कूल आना शुरू हुए थे। इसके बाद कारवां बढ़ता गया और स्कूल में विद्यार्थियों की संख्या बढ़ गई। उनके प्रयासों से गांव में अब स्कूल भवन भी बन गया है।

श्री बिल्लौरे के के अध्यापन कराए हुए कई विद्यार्थी पुलिस, पटवारी, शिक्षक, स्वास्थ्य विभागो में नौकरी कर रहे है। 1994 से लगाकर आज तक श्री बिल्लौरे शिक्षा के क्षेत्र में अलख जगाने का कार्य कर रहे है। श्री बिल्लौरे प्रारंभ से ही आदिवासी अंचल में कार्यरत रहकर बन्हुर, अनकवाडी, नागरखेड़ी एवं बागदरी ग्रामों में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। आदिवासी अंचल के बच्चों को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल करवाते रहें है। इनके प्रयासों से कई बच्चों का नवोदय, उत्कृष्ठ स्कूलों में चयन भी हुआ है। आज उनके प्रयास से लगभग छः विद्यार्थी मेरिट कम मिन्स परीक्षा में चयनित होकर प्रतिवर्ष 12 हजार की छात्रवृत्ति प्राप्त कर रहे। इनके द्वारा साक्षरता अभियान में भी पूरे जिले में शिक्षा का अलग जगाने का कार्य किया गया था। नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से गांवो में उनकी टीम द्वारा निरीक्षरो को साक्षर करने के लिए प्रेरित करने का काम करती थी। बिल्लौरे द्वारा विधानसभा, लोकसभा एवं त्रिस्तरी पंचायत निर्वाचनों में भी मास्टर ट्रेनिंग का ट्रेनर की भूमिका निभाकर उल्लेखनीय कार्य करते रहे हैं।

गुड़ई करो, कब्जे करो, भ्रष्टाचार करो, माफिया पालो और भाजपा ज्वाइन करोः डा.भारद्वाज

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । भाजपा के सदस्यता अभियान पर कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता डा. अनिल भारद्वाज ने तंज कसते हुए कहा कि आज भाजपा सरकार अघोषित तानाशाह की तरह देश और प्रदेश में कार्य कर रही है, इस सरकार में न नोजवानो का भविष्य सुरक्षित बचा है,और न बच्चियों, महिलाओ का ,एक तरफ लगातार आदिवासियों पर अन्याय अत्याचार किया जा रहा है,तो दूसरी तरफ बच्चियों और महिलाओं पर बलात्कार और छेड़खानी की घटनाओं ने कानून व्यवस्था की पोल खोल दी है। तो दूसरी तरफ रिमोट कंट्रोल से चलने वाले मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की अगुवाई वाली भाजपा सरकार और उसकी पार्टी भ्रष्टाचारियों, बलात्कारियों गुंडों माफियाओं को भाजपा की सदस्या की खुली छूट देकर उन्हें अपनी पार्टी की सदस्यता दिलाने में अपना गौरव मान रही है। श्री भारद्वाज ने कहा कि आज हर वर्ग भाजपा सरकार में परेशान है। नौजवान,छात्र,व्यापारी,किसान व महिलाएं भी उत्पीडऩ के विरुद्ध न्याय के लिए त्राहि त्राहि कर रहे है व यह सरकार किसी भी वर्ग के लिये हितकारी नही है। इसलिए आम जनता भाजपा के मिस्ड कॉल वाली सदस्यता से दूरी बनाकर जनता से किए मिस्डकाल वाले वादों को याद दिलाए।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों को किया सम्मानित

खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

05 सितंबर को शिक्षक दिवस के अवसर पर कलेक्टर श्री कर्मवीर शर्मा के मार्गदर्शन में जनजातीय कार्य विभाग के सहायक आयुक्त श्री प्रशांत आर्या द्वारा जनजातीय कार्य विभाग के उत्कृष्ठ कार्य करने वाले शिक्षकों, व्यायाम शिक्षकों, अधीक्षकों एवं लिपिक वर्ग के कर्मचारियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

सहायक आयुक्त श्री आर्या ने कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षकों द्वारा छात्र-छात्राओं का भविष्य उज्जवल बनाने के लिए किये जा रहे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि जिन शिक्षकों का आज सम्मानित किया जा रहा है वे अपने कार्यों को इसी तरह आगे बढ़ायेंगे। जिससे अन्य शिक्षकों को भी अच्छा कार्य करने की प्रेरणा मिलेगी। इस दौरान जनजातीय कार्य विभाग के सहायक आयुक्त श्री आर्या द्वारा विभाग से संचालित नवाचार ई-कक्षा (स्मार्ट क्लास) के उत्कृष्ट संचालन के लिए हाई स्कूल मांगरूल के व्याख्याता एवं सहायक नोडल अधिकारी श्री अमित शर्मा को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

दतिया आज फिर आबकारी विभाग की धड़ पकड़ जारी

संदीप प्रधान उप संपादक पुष्पांजलि टुडे

दिनांक 4/09/2024 को कलेक्टर श्री संदीप माकिन एवं उपायुक्त आबकारी संभागीय उड़नदस्ता श्री प्रमोद कुमार झा के निर्देशानुसार एवं जिला आबकारी अधिकारी दतिया श्री राकेश राणा के मार्गदर्शन में आबकारी कंट्रोल रूम प्रभारी दतिया श्री टी आर वर्मा द्वारा दतिया (ब) में अवैध शराब के विक्रय के विरुद्ध निम्न कार्यवाही की गई।

(1) वृषभान उर्फ भूरा रावत पुत्र लक्ष्मण रावत उम्र 45 वर्ष निवासी ग्राम पचोखरा जप्ती 8 पेटियो में 395 पाव देशी मदिरा प्लेन प्रत्येक में 180 मिली कुल 71.1 मदिरा को जब्त कर मध्य प्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1)+34(2) के अंतर्गत 01 प्रकरण पंजीबद्ध किया गया । जिनमें कुल 71.1 बल्क लीटर देशी मदिरा प्लेन जप्त की गई। जप्त मदिरा का कुल अनुमानित मूल्य 27650 /- रुपए है। उक्त कार्यवाही में आबकारी आरक्षक श्री संजय शर्मा, श्री रवि बिसारिया, सुश्री याशनिका यादव एवं वाहन चालक श्री अजय गौतम का सराहनीय योगदान रहा।

भादवी बीज महोत्सव आई माताजी अवतरण दिवस को मनाया गया

दैनिक पुष्पांजलि टुडे। रिपोर्टर धनराज चौधरी

सीरवी समाज शेरिलिंगमपली हैदराबाद द्वारा आई माता जी का अवतरण दिवस मनाया गया जिस में बालिकाएं द्वारा नृत्य किया गया जिस में दर्शकों द्वारा तालिया बजा कर हौसला बढ़ाया गया और पुरस्कार दिया गया बालिका चेतना; विनीता खूसबू पूजा को पुरस्कार दिया गया और रात में आई माता जी के भजन कीर्तन किया गया जिसमें लोगो ने बड सड़ कर भाग लिया और बोलिया बोली गई फिर सुबह को प्रसाद रखा गया।

अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन

अंतर्राष्टीय साक्षरता दिवस दिनांक 08 सितम्बर 2024 के अवसर पर जिला साक्षरता मिशन प्राधिकरण सक्ती, जिला-जांजगीर-चाम्पा (छ.ग.) के मार्गदर्शन में विकासखण्ड साक्षरता मिषन समिति जैजैपुर जिला-सक्ती द्वारा 01 सितम्बर 2024 से 08 सितम्बर 2024 तक साक्षरता सप्ताह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अंतर्राष्टीय साक्षरता दिवस प्रत्येक वर्ष सम्पूर्ण विश्व में साक्षरता के महत्व को प्रतिपादित करने हेतु मनाया जाता है। इस वर्ष स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से प्स्क् कार्यक्रम का आयोजन नव भारत साक्षरता कार्यक्रम (छप्स्च) ''उल्लास'' को सुचारु रुप से संचालित करने हेतु आयोजित किया गया। नव भारत साक्षरता कार्यक्रम अभियान के तहत आगामी 05 वर्षों में शत् प्रतिशत साक्षरता का लक्ष्य रखा गया है। 15 वर्ष से अधिक के आयु समूह के असाक्षरों को इस कार्यक्रम में जो?कर सभी को साक्षर बनाना ही इसका उद्देश्य है। नव भारत साक्षरता कार्यक्रम से वित्तिय साक्षरता, कानूनी साक्षरता, डिजीटल साक्षरता से विभिन्न समूहों को जो?ना है। भारत में विभिन्न प्राथमिकता समूहों - ल?कियों की जरुरतों को पूरा करने की पहल की गई है। बच्चे/महिलाएं, सामाजिक और आर्थिक रुप से पिछ?, विकलांग

लोग, अल्पसंख्यक जो अपनी शिक्षा को आगे बढ़ाने में असमर्थ हैं, लेकिन अपने कौशल का अध्ययन और उन्नयन करना चाहते हैं। हमें अपने साथी नागरिकों को 21वीं सदी के वैश्विक नागरिकों के रुप में साक्षरता के विभिन्न क्षेत्रों के माध्यम से सशक्त बनाने में मदद करेगा।

अंतर्राष्टीय साक्षरता सप्ताह कार्यक्रम के दौरान अंतर्राष्टीय साक्षरता दिवस 08 सितम्बर 2024 के अवसर पर ''साक्षरता रैली'' का आयोजन किया गया। इस रैली को विकासखण्ड परियोजना अधिकारी श्री रामकुमार साहू (स.वि.ख.षि.अ.) द्वारा नेतृत्व करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु नगर पंचायत-जैजैपुर के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय एवं शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला के बच्चों द्वारा साक्षरता रैली निकाला गया, साक्षरता रैली के दौरान साक्षरता संबंधी नारों के साथ जोर-शोर से सभी बच्चों ने अपनी सहभागिता निभायी। विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य श्री आर.एस. साहू के मागदर्शन में साक्षरता रैली को सफल बनाया गया साथ ही विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं श्री आर.सी. भारद्वाज, श्री एस.बी. सोनवानी, श्री एन.एल. साहू, श्री एल.सी. भारद्वाज, श्री व्ही.के धृतलहरे, श्री डी.के. साहू, श्रीमती आशा खरे, श्रीमती लता चन्द्रा, श्री एम.के. कुर्रे, श्रीमती अनीता चन्द्रा, श्री लुकेश्वर यादव एवं पूर्व माध्यमिक शाला जैजैपुर से श्री आई.एस. चन्द्रा, श्रीमती एल. कोशले, श्रीमती पी. सोनवानी तथा विकासखण्ड साक्षरता मिशन समिति जैजैपुर से विश्वकांत यादव सहायक ग्रेड-03 इन सभी के द्वारा सार्थक सहयोग प्राप्त हुआ। अंतर्राष्टीय साक्षरता सप्ताह अंतर्गत विकासखण्ड अंतर्गत सभी स्कूलों को साक्षरता सप्ताह कार्यक्रम आयोजित करने निर्देशित किया गया इस दौरान साक्षरता सप्ताह दिनांक 01 से 08 सितम्बर 2024 तक विकासखण्ड अंतर्गत सभी स्कूलों में विभिन्न प्रकार के जैसे रंगोली, मेंहदी, निबंध, चित्रकला, वाद-विवाद, महिला संगोष्ठी कार्यक्रम आयोजित किए गए एवं शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय एवं शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला जैजैपुर में चित्रकला, रंगोली, मेंहदी, निबंध आदि प्रतियोगिता का आयोजन कर प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को सम्मानित किया जाएगा।

सीरवी समाज ट्रस्ट हैबाल ने भादवी बीज महोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया

दैनिक पुष्पांजली टुडे

बेंगलूरू। सीरवी समाज ट्रस्ट हैब्बाल का 26 वां वार्षिक सम्मेलन एवं भादवी बीज महोत्सव गुरूवार को हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। प्रात~ 9 बजे आईमाताजी पूजा - अर्चना व आरती की गई। उसके बाद महादेव भजन मंडली के गायक राजुराम सीरवी, श्रवण माली ने राजस्थानी लोक मधुर भजनों की प्रस्तुतिया देकर श्रंदालुओ को झूमने पर मजबूर कर दिया। भजनो के कार्यक्रम में वार्षिक चड़ावों बोले गए जिसमें समाज बन्धुओ ने बढ़चढ़कर हिस्सा लिया। समाज के अध्यक्ष पुनाराम बर्फा ने स्वागत करते हुए कहा कि समाज के बच्चे समाज की धरोहर हैं इनमें समाज के संस्कारों का बीजारोपण करना हम सब की जिम्मेदारी है। बर्फा ने कहा कि वडेर में प्रत्येक रविवार को बाल संस्कार शिविर का आयोजन रखना चाहिए। सचिव भालाराम सोलंकी ने वार्षिक प्रतिवेदन तथा कोषाध्यक्ष चिमनाराम चोयल ने आय-व्यय का विवरण प्रस्तुत किया। इस कार्यक्रम में महाप्रसादी का आयोजन रखा गया। माताजी को महाप्रसादी का भोग लगाया। उसके बाद सभी समाज बन्धुओ ने सपरिवार महाप्रसादी का लाभ लिया। इस अवसर पर सह- सचिव सोहनलाल राठौड़, महिला मंडल अध्यक्ष लक्ष्मीदेवी राठौ?, वीरमराम राठौड़, बाबूलाल बर्फा, नवयुवक मंडल नारायणलाल राठौ?, नारायणलाल चोयल, रतनलाल राठौड़ आदि मौजूद रहे। मंच संचालन पूर्व सचिव सोहनलाल राठौड़ ने किया।

संपादक की कलम से

भारत और अमेरिका के द्विपक्षीय संबंध तो बेहतर होते रहेंगे

उम्मीद है कि इससे डेमोक्रेटिक पार्टी को मदद मिल सकती है। लेकिन न तो बाइडेन और न ही कमला हैरिस ने अब तक गाजा में शांति लाने का कोई ठोस इरादा दिखाया है। ऐसे में क्या ट्रम्प की जीत विश्व शांति के लिए भी मतदाता अच्छी मानेंगें? अब जरा बात कर ले भारत-अमेरिका संबंधों की। तो ज्यादातर राजनीतिक विश्लेषक यह मानते हैं , इससे भारत-अमेरिका संबंधों पर कोई खास फर्क नहीं पड़ेगा कि व्हाइट हाऊस में ट्रम्प पहुंचते हैं या कमला हैरिस।

भारत और अमेरिका के द्विपक्षीय संबंध तो बेहतर होते रहेंगे, यही अंतरराष्ट्रीय संबंधों के विश्लेषक मानते हैं।दोनों देशों के संबंध उस दायरे से कहीं आगे जाते हैं, जब सत्ता परिवर्तन का असर संबंधों पर होता है। इन संबंधों में किसी पर्सनेल्टी का असर नहीं हो सकता। हां, दोनों देशों के नेताओं के निजी संबंधों से संबंध और बेहतर तो हो सकते हैं। यह हमने नरेन्द्र मोदी और बराक ओबामा, फिर मोदी और डोनाल्ड ट्रम्प और उसके बाद मोदी और बाइडेन के समय देखा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जिस तरह से अमेरिका के दो पूर्व राष्ट्रपतियों बराक ओबामा और डोनाल्ड ट्रम्प के साथ एक अलग पर्सनल केमिस्ट्री विकसित की थी, वैसी ही केमिस्ट्री उनकी राष्ट्रपति बाइडेन के साथ भी बनी। कुछ अस्वस्थ होने के बावजूद पिछले साल बाइडेन जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने नई दिल्ली आए। उसके बाद से उनकी भारतीय प्रधानमंत्री मोदी से आपसी और अंतरराष्ट्रीय मामलों पर अक्सर बातचीत होती ही रहती है। एक बात और। अगर ट्रम्प फिर से अमेरिका के राष्ट्रपति बन जाते हैं तो संसार के इस्लामिक देशों के साथ वे किस तरह का संबंध बनाकर रखना चाहेंगे? वह पहली बार जब राट्रपति का चुनाव जीते थे तब सारा इस्लामिक संसार दुखी था। वह अपनी कैंपेन के दौरान बार-बार इस्लाम को लेकर बयान दे रहे थे। उन्होंने इस्लाम को अमेरिका विरोधी बताते हुए उनके अपने देश में प्रवेश पर पाबंदी लगाने की मांग तक दोहराई थी। हालाकि उन्होंने कहा था कि उनकी लड़ाई कट्टरपंथी मुसलमानों से है। लेकिन , इस बार वह संभल कर चल रहे हैं। डोनाल्ड ट्रम्प आतंकवादी संगठन इस्लामिक स्टेट (आईएस) के पनपने के लिए बराक ओबामा और हिलेरी क्लिंटन को जिम्मेदार मानते हैं। ट्रम्प के इस तरह के बयानों पर उन्हें अमेरिका के गैर- मुसलमानो का समर्थन भी मिला। डोनाल्ड ट्रम्प के इस दावे से सनसनी पैदा हो गई थी कि 11 सितंबर 2001 के हमलों के बाद दुनिया भर के मुसलमान जश्न मनाने के लिए सड़कों पर उतर आए थे।उसके बाद उन्होंने कहा, अरब और अमेरिकी मुसलमानों ने आंतकी हमलों का जश्न मनाया था। ट्रम्प ने अपने देश में मुसलमानों की निगरानी करने के लिए एक डाटा बेस बनाने का भी वादा किया था। ट्रम्प ने यह भी कहा था कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई लड़ने के लिए अमेरिका के मुस्लिमों पर तगड़ी निगरानी जरूरी होगी। तब उनकी अमेरिकी मीडिया ने तीखी आलोचना की थी। लेकिन ट्रम्प अपने रुख पर कायम रहे थे ।यह सच है कि अमेरिका में 9/11 की घटना के बाद औसत अमेरिकी मुसलमानों से डरने और सतर्क रहने लगा था। हालांकि 9/11 की घटना के बाद दुनिया अब बहुत कुछ बदल चुका है। फिलहाल तो यह देखने वाली बात है कि अमेरिका का नया राष्ट्रपति कौन बनता है। अमेरिका में बसे लाखों भारतीय डोनाल्ड ट्रम्प के साथ हैं या कमला हैरिस के पक्ष में? अगर मीडिया पर आ रही खबरों पर यकीन करें तो कमला हैरिस को तो आज के दिन अधिक लोकप्रिय बताया जा रहा है और प्रतिदिन कमला की लोकप्रियता बढ़ती ही चली जा रही बताते हैं। भारत सरकार किसे विजयी देखना चाहती है? यह तय है कि भारत सरकार जो भी जीतेगा उसके साथ तो ताल- मेल बैठकर काम तो करेगी ही ! यह बात भारत- अमेरिका के गहरे द्विपक्षीय संबंधों की रोशनी में कही जा सकती है, जो लगातार मजबूत होते ही चले जा रहे हैं। एक बात जान लें कि अमेरिका में रहने वाले भारतीयों के एकमुश्त वोट तो कमला हैरिस को नहीं मिलेंगे, कुछ वोट तो बटेंगे ही ! कुछ वोट ट्रम्प के खाते में भी जाएंगे। पर कमला हैरिस को भारतीय अपना तो मानते हैं। कमला हैरिस की मां श्यामला गोपालन , तमिलनाडू के एक कुलीन बाह्मण परिवार से थीं। यह समाज अपनी बेटियों की शिक्षा परभी बहुत ध्यान देता है। इसलिए इस परिवार ने श्यामला गोपालन को अपने सपनों को पूरा करने के लिए नई दिल्ली जाने की अनुमति दी। जहां उन्होंने दिल्ली यूनिवर्सिटी में पढ़ाई की। श्यामला के पिता पी.वी. गोपालन भी सरकारी सेवा में ही थे और मां सफल गृहणी थी। गोपालन जी सरकारी दफ़्तर में टाइपिस्ट थे और अपनी लगन और ईमानदारी के सहारे पदोन्नति पाते रहे। वह अपनी नौकरी के सिलसिले में मद्रास, नई दिल्ली, मुंबईऔर कोलकाता में रहे। डीयू से 19 साल की उम्र में डिग्री लेने के बाद, कमला हैरिस की मां श्यामला ने अमेरिका का उच्च शिक्षा हासिल करने के लिए रूख किया। उन्होंने अमेरिका में एक अफ्रीकी मूल के शख्स से शादी की , जिसका परिवार कैरिबियाई देश जमाईका में बस गया था। इस लिहाज से देखा जाए तो कमला हैरिस को भारतीय और अफ्रीकी कहीं ना कहीं अपने से जुड़ा मानते हैं। उधर, ट्रम्प का भी अपना एक खास जनाधार है ही। वह अमेरिका के 2016-2020 के दौरान राष्ट्रपति रहे हैं। ट्रम्प वह व्यक्ति भी हैं जिन्होंने यूक्रेन और गाजा में संघर्षों को समाप्त करने का वादा किया है, जो लेबनान तक फैल गया है।

वन्य जीव प्रकृति का उपहार ही नहीं, अमूल्य धरोहर से बढ़कर

वन्य जीव प्रकृति का उपहार ही नहीं, अमूल्य धरोहर से बढ़कर हैं। अफसोस कि वन्य जीवों की विभिन्न प्रजातियां दिनों दिन लुप्तप्राय हो रही हैं। हजारों प्रजातियों का तो अबतक नामोनिशान मिट चुका है। जंगल के बेजुबान जानवरों की संख्या विलुप्त होने से कैसे बचे, उनका संरक्षण कैसे किया जाए, इन्हीं को ध्यान में रखकर हर साल 4 सितंबर को पूरे देश में राष्ट्रीय वन्यजीव दिवस मनाया जाता है। इस दिवस का प्रचलन वर्ष 2005 में कोलीन पैगे नामक एक वाइल्ड लाइफ विशेषज्ञ व परोपकारी व्यक्ति द्वारा की गई थी। वहीं, अगले साल यानी 2006 में वन्यजीव संरक्षणवादी स्टीव इरविन के निधन के बाद उनकी स्मृति में यह खास दिवस मनाया जाता है। वन एवं पर्यावरण मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक 48.5 फीसदी वन्य प्रजातियों की आबादी में कमी आ चुकी है। इन प्रजातियों की कुल संख्या 16,150 है जिनमें पक्षियों की 5412 प्रजातियां, उभयचरों की 3135, मछलियों की 2631 प्रजातियां, स्तनधारियों की 1885 और कीटों की 1622 प्रजातियां शामिल हैं। जबकि, सरीसृपों की 1465 प्रजातियां विलुप्त होने की कगार पर हैं। वन्यजीवों की संख्या घटने के पीछे दो प्रमुख कारण हैं। अव्वल, वनों का तेजी से कटना। दूसरा, उनके भोजन की उपलब्धता में कमी आना, जिस कारण उनका वनों से बाहर आना और शिकारियों द्वारा शिकार हो जाना। उचित आवास का न होना, अत्यधिक वन संपदा का दोहन, जंगलों में बढ़ता प्रदूषण और ग्लोबल वार्मिंग की मार भी जंगली जीव झेल रहे हैं। पशु तस्कर अब चुन-चुनकर जंगली जानवरों का शिकार करने लगे हैं क्योंकि घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में जंगली जानवरों की खाल, दांत या उनके अन्य अंगों की भारी डिमांड है। ग्राहक तस्करों को मुंहमांगी कीमत देते हैं जिस कारण तस्कर वन्य जीवों का शिकार करने पर आमादा रहते हैं। लुप्तप्राय जीवों और उनके संरक्षण के लिए चल रहे प्रयासों में और तेजी लाना ही आज के खास दिन का मकसद है। वन्य जीव प्रजातियों के महत्व और उनकी रक्षा-सुरक्षा के लिए सभी को भागीदार होना चाहिए। आज पशुओं की सुंदरता और उनके मूल्यों को पहचानने का दिन है। वन प्रजातियों की क्या भूमिका होती है। दुख इस बात का है कि लाख कोशिशों के बावजूद मानवीय गतिविधियां नहीं रुकती और पर्यावरण में होते नित नए परिवर्तन ने भी वन्य पशु-पक्षियों का जीना मुहाल किया हुआ है।

राष्ट्रीय वन्यजीव दिवस का उद्देश्य व्यक्तिगत प्रयासों से लेकर वैश्विक पहलों तक, वन्यजीवों के संरक्षण में मदद करने वाले कार्यों को प्रोत्साहित करना होता है। ये दिन हमें अपने प्राकृतिक परिवेश के प्रति अपनी जिम्मेदारी की भी याद दिलाता है।

शिक्षक दिवसः गुरुओं के सम्मान का दिन

अरविंद जयतिलक

आज गुरुओं के सम्मान का दिन है। 5 सितंबर को देश भर में शिक्षक दिवस के रुप में मनाया जाता है। 1962 में जब डा0 सर्वपल्ली राधाकृष्णन भारतीय गणतंत्र के दूसरे राष्ट्रपति बने तब उनके विद्यार्थियों ने उनका जन्मोत्सव मनाने का विचार किया। लेकिन उन्होंने इस अनुरोध को अस्वीकार कर सुझाव दिया कि अगर वे उनके जन्मोत्सव को शिक्षक दिवस के रुप में मनाएं तो ज्यादा खुशी होगी। तभी से इस दिन को शिक्षक दिवस मनाया जाता है। डा0 सर्वपल्ली राधाकृष्णन अकसर कहा करते थे कि शिक्षक का कार्य केवल शिक्षण संस्थानों की परिधि तक ही सीमित नहीं है। समाज व राष्ट्र के गुणसूत्र को बदलने की जिम्मेदारी भी उसके कंधे पर होती है। इसलिए कि वह राष्ट्रीय जनमानस का प्रतिनिधि होता है। उसके आदर्शवादी मूल्य और सारगर्भित विचारधारा समाज व देश के लिए प्रेरणास्रोत होते हैं। राधाकृष्णन एक उत्कृष्ट विद्वान, महान शिक्षाशास्त्री के अलावा कुशल वक्ता भी थे। अंग्रेजी और संस्कृत पर उन्हें असामान्य अधिकार था। भारत में सत्ता हस्तांतरित होने के गौरवशाली अवसर पर जो गिने-चुने महापुरुषों ने अपने विचार व्यक्त किए उनमें डा0 राधाकृष्णन भी थे। उनकी विद्वता और ज्ञान सिर्फ कोरी शास्त्रीय नहीं थी बल्कि इसे अपने जीवन में उतारा भी। शिक्षा में महान योगदान को देखते हुए ही भारत सरकार ने उन्हें 1954 में भारत रत्न की उपाधि से विभुषित किया। आज के घोर भौतिकवादी और आचरणविहिन आधुनिकता की दौड़ में जब सभ्य समाज के निर्माण का सवाल पीछे छूट रहा है ऐसे में

शिक्षकों को आगे बढ़कर अपना उत्तरदायित्व निभाना चाहिए। एक शिक्षक ही अपने गुरुत्तर उत्तरदायित्वों एवं संवेदनायुक्त आचरण से भारत राष्ट्र व समाज को संस्कारित कर सकता है। डा0 राधाकृष्णन का जन्म 5 सितंबर 1888 को मद्रास के निकट तिरुतानी में हुआ। शिक्षा प्राप्ति के तदोपरांत डा0 राधाकृष्णन ने सर्वप्रथम एक शिक्षक के रुप में मद्रास में लेक्चरर नियुक्त हुए। 1911 में वे मद्रास के प्रेसीडेंसी कालेज में असिस्टेंट प्रोफेसर और 1916 में प्रोफेसर बने। 1918 में वह मैसूर विश्वविद्यालय में चले गए और वहां 1921 तक रहे। 1926 और 1929-30 में आक्सफोर्ड के मानचेस्टर कालेज और 1926 में शिकागो विश्वविद्यालय में प्रोफेसर रहे। 1927 में भारतीय दर्शन परिषद के बंबई अधिवेशन के अध्यक्ष बने और 1936 में आक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में प्राच्य धर्मों और नीतिशास्त्र के प्रोफेसर बने। दर्शनशास्त्र उनका प्रिय विषय था। सर आशुतोष मुखर्जी के निवेदन पर वे कलकत्ता विश्वविद्यालय में दर्शनशास्त्र के प्रोफेसर पद पर कार्य करना स्वीकार किया। वे वहां 1921 से 1931 तथा 1937 से 1941 तक अध्यापन कार्य किए। इसके बाद वे आंध्रप्रदेश विश्वविद्यालय में 1939 से 1948 तक उपकुलपति रहे। 1931 से 1941 तक राष्ट्रसंघ की बौद्धिक सहकारिता संबंधी अंतर्राष्ट्रीय समिति के सदस्य रहे। बंगाल की रायल एशियाटिक सोसायटी के फैलो और भारतीय विश्वविद्यालय कमीशन के अध्यक्ष के पद का भी उन्होंने शोभा बढ़ाया। 1916 महामना मदन मोहन मालवीय द्वारा बनारस में स्थापित काशी हिंदू विश्वविद्यालय में भी उन्होंने बतौर कुलपति अपनी भूमिका का गौरवपूर्ण निर्वहन किया। 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान जब गांधी जी ने करो या मरो का नारा दिया उस दौरान काशी हिंदू विश्वविद्यालय के छात्रों ने इसमें बढ़ चढ़कर हिंसा लिया। अपने ज्ञान-विज्ञान, दर्शन और चिंतन से भारतीय समाज और राष्ट्र के जीवन में नवीन प्राणों का संचार करने के कारण ही शिक्षक यानी गुरुओं की तुलना ब्रह्मा, विष्णु व महेश से की गयी है। गुरु अर्थात ज्ञान का वो प्रकाशपूंज जो शिष्य के अंधकार रुपी अज्ञान समाप्त करके उसे और सार्थक मनुष्य बनाता है। शास्त्रों में कहा गया है कि ह्यऊं अज्ञान तिमिरान्धस्य ज्ञानाञ्जनशलाकया, चक्षुरुन्मीलितं येन तस्मै श्री गुरवे नमःह्ल। अर्थात ह्यमैं घोर अंधकार में उत्पन हुआ था और मेरे गुरु ने अपने ज्ञान रुपी प्रकाश से मेरी आंखे खोल दी और मैं उन्हें प्रणाम करता हूं।ह्ल गोस्वामी तुलसीदासजी ने रामचरितमानस में लिखा है कि-गुरु बिनुभवनिधि तरइ न कोई, जों बिरंचि संकर सम होई। अर्थात भले ही कोई ब्रह्मा और शंकर के समान क्यों न हो, वह भवसागर के बिना जीवन रुपी भवसागर पार नहीं कर सकता। जीवन के आरंभ से ही गुरु की महत्ता को रेखांकित किया गया है। संत कबीर कहते हैं कि ह्यहरि रुठे गुरु ठौर हैं, गुरु रुठे नहीं ठौरह्ल। अर्थात भगवान के रुठने पर तो गुरु की शरण रक्षा कर सकती है लेकिन गुरु के रुठने पर कहीं भी शरण नहीं मिलेगा। कबीर कहते हैं कि ह्यकुमति कीच चेला भरा, गुरु ज्ञान जल होय, जनम-जनम का मोरचा, पल में डाले धोयह्ल अर्थात कुबुद्धि रुपी कीचड़ से शिष्य भरा है और गुरु का ज्ञान जल है। इनमें इतना सामर्थ्य है कि वे शिष्यों के जन्म-जन्म का अज्ञान पल भर में दूर कर देते हैं। कबीर आगे कहते हैं कि ह्यगुरु कुम्हार शिष्य कुंभ है, गढ़ि-गढ़ि काढ़ै खोट, अन्तर हाथ सहार दै, बाहर बाहै चोटह्ल अर्थात मिट्टी के बर्तन समान शिष्य के लिए गुरु कुम्हार की तरह होते हैं। शास्त्रों में गुरु को तीर्थ से भी बड़ा कहा गया है। तीरथ गए तो एक फल, संत मिले फल चार, सद्गुरु मिले तो अनंत फल , कहे कबीर विचार। गुरु शिष्य का मार्गदर्शन कर उसके जीवन को उर्जा से भर देता है। लीलारस के रसिकों का दाता श्रीकृष्ण भी सद्गुरु ही है। भगवान श्रीकृष्ण ने गुरु रुप में शिष्य अर्जुन को संदेश दिया था कि ह्यसर्वधर्मान्परित्यज्य मामेकं शरणं व्रज, अहं त्वा सर्वपापेभ्यो मोक्षयिष्यिा माम शुचः। अर्थात सभी साधनों को छोड़कर केवल नारायण स्वरुप गुरु की शरणागत हो जाना चाहिए। वे उसके सभी पापों को नाश कर देंगे। शोक नहीं करना चाहिए। भारतीय संस्कृति और सभ्यता में कहा गया है कि जिनके दर्शन मात्र से मन प्रसन्न होता है वह परमसत गुरु है। गुरु के बिना न आत्मदर्शन संभव है और न ही परमात्मा दर्शन। जप, तप, यज्ञ और ज्ञान में गुरु का मार्गदर्शन आवश्यक है। किसी भी प्रकार की विद्या हो अथवा ज्ञान वह गुरु से ही प्राप्त होता है। सद्गुरु लोककल्याण के निमित्त पृथ्वी पर अवतार स्वरुप हैं। सभी ग्रंथों में गुरु तत्व की उपादेयता का गान किया गया है। वैदिककालीन महान विदुषियां लोपामुद्रा, घोषा, सिकता, अपाला, गार्गी और मैत्रेयी की रचित ऋचाओं में भी गुरुओं के प्रति सम्मान है। सद्गुरु की महिमा अनंत और अपरंपार है। उपनिषदों और स्मृति ग्रंथों में गुरु की महिमा का खूब बखान किया गया है। ईश्वर की सत्ता में विश्वास न रखने वाले जैन व बौद्ध धर्मग्रंथ भी गुरुओं के प्रति श्रद्धावान हैं। वशिष्ठ, याज्ञवल्क्य, पतंजलि और अगस्तय से लेकर तक्षशिला के महान गुरु चाणक्य तक गुरुओं की ऐसी आदर्श परंपरा रही है जिन्होंने अपनी ज्ञान उर्जा से राष्ट्र व समाज की अंतश्चेतना को जाग्रत व समृद्ध किया।

विपक्ष ने तुष्टिकरण को अपनी प्रमुख रणनीति बना लिया

लोकसभा चुनावों में कतिपय सीटों का लाभ होने के कारण विपक्ष ने तुष्टिकरण को अपनी प्रमुख रणनीति बना लिया है और पहले की अपेक्षा अधिक विष वमन कर रहा है। स्थिति ऐसी है कि अब ये लोग मुस्लिम अपराधियों का भी खुल कर समर्थन कर रहे हैं फिर चाहे बलात्कार का आरोपी मोइद खान हो या थाने पर हमला करने वाला शहजाद। मजहब का वोट पाने के लिए उसके अपराधों को बढ़ावा देने वाली इस अपराधिक राजनीति के बीच कुछ प्रान्तों के मुख्यमंत्री साहस दिखाते हुए, ह्यकानून के समक्ष प्रत्येक नागरिक एक समान हैह्ल की भावना वाले निर्णय लेकर तुष्टिकरण की राजनीति करने वाले दलों को उचित उत्तर देने का प्रयास कर रहे हैं । इसमें सर्वाधिक अग्रणी भूमिका असम के मुख्यमंत्री हेमंत बिस्व सरमा निभा रहे हैं। भारत का सीमावर्ती राज्य असम, बांग्लादेश के साथ एक लंबी खुली सीमा से जुड़ा हुआ है और बांग्लादेशी घुसपैठ व रोहिंग्या आदि के कारण विकराल समस्यायों से जूझ रहा है। असम के मुख्यमंत्री हेमंत बिस्व सरमा ने घोषणा की है कि उनकी सरकार द्वारा अगले वर्ष राज्य में जनसाख्यिंकी में बदलाव पर एक श्वेत पत्र लाया जायेगा। असम में लोकसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी को राज्य की 14 लोकसभा सीटों में से कम से कम 12 सीटों पर विजय प्राप्त करने की आशा थी किंतु उसे केवल 9 सीटों पर ही संतोष करना पड़ा था और 5 सीटें इंडी गठबंधन को मिली थीं । भाजपा द्वारा चुनाव परिणाम की समीक्षा में पता चला कि 5 जिलों की जनसांख्यिकी बदल चुकी है जहां पर मुस्लिम अल्पसंख्यक नहीं हैं। असम के मुख्यमंत्री ने बयान दिया कि हमने पांच जिलों को खो दिया है और अब हम अपने अस्तित्व के लिए संघर्ष कर रहे हैं। उसी कड़ी में मुख्यमंत्री एक के बाद एक निर्णय कर रहे हैं। असम विधानसभा के सत्र के दौरान एक विधेयक प्रस्तुत किया गया है जिसके अनुसार अब असम में मुस्लिमों की शादी और तलाक का पंजीकरण अनिवार्य कर दिया गया है। असम विधानसभा ने मुस्लिम शादी और तलाक बिल- 2024 पारित किया है जिसके साथ ही लगभग 90 साल पुराना अब असम मुस्लिम निकाह और तलाक पंजीकरण अधिनियम 1935 निष्प्रभावी हो गया है। हालांकि मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि काजियों द्वारा किये गये पहले के विवाह वैध रहेंगे और नये विवाह ही इस कानून के दायरे में आयंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हम मुस्लिम पर्सनल ला के तहत इस्लामी रिवाजों से होने वाली शादियों में हस्तक्षेप नहीं कर रहे हैं। इस विषय पर चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा उद्देश्य न केवल बाल विवाह को समाप्त करना अपितु समानांतर व्यवस्था से छुटकारा पाना भी है। हम मुसलमानों के विवाह और तलाक के पंजीकरण को सरकारी प्रणाली के अंतर्गत लाना चाहते हैं। नये कानून से बाल विवाह पर भी रोक लगेगी और वैसे भी बाल विवाह पूरी तरह से गैरकानूनी है। ज्ञातव्य है कि असम में आज भी बाल विवाह की कुप्रथा जारी है। पूर्व के कानून की आड़ में बांग्लादेशी घुसपैठिये व स्थानीय मुसलमान असम की बच्चियों का जबरन व धोखे से निकाह करवा रहे हैं।अब नये कानून से इसकी कुछ रोकथाम अवश्य होगी। असम की सरकार व विधानसभा ने हर शुक्रवार जुमे की नमाज के लिए राज्य में मुसलमानों को मिलने वाले ब्रेक को पूरी तरह से समाप्त कर दिया है।असम के मुख्यमंत्री ने इस कदम की घोषणा करते हुए कहा कि इस तरह का नियम बनाना मुस्लिम लीग की सोच थी, हमने 90 साल बाद गुलामी की मानसिकता के प्रतीक उपनिवेशवाद के बोझ को अब समाप्त कर दिया ह। मुख्यमंत्री का कहना है कि हमने असम विधानसभा में उत्पादकता को प्राथमिकता दी है। असम विधानसभा में नमाज के लिए अवकाश की प्रथा मुस्लिम लीग के सैयद सादुल्ला ने 1937 में प्रारम्भ की थी। मुख्यमंत्री ने इस ऐतिहासिक निर्णय के लिए विधानसभा अध्यक्ष विश्वजीत दैमारी और विधायकों के प्रति आभार व्यक्त किया। असम सरकार के निर्णय पर मुस्लिम संगठन व इंडी गठबंधन के नेता असम सरकार व भाजपा पर हमलावर हैं। उत्तर प्रदेश में समाजवादी हो या फिर बहुजन समाजवादी पार्टी सभी बौखला गए हैं, बिहार के विपक्षी दलों के नेता भी पीछे नहीं है क्योंकि मुस्लिम तुष्टिकरण का कार्ड तो सभी खेलते हैं। सबसे चर्चित व खतरनाक बयान बिहार के राजद नेता तेजस्वी यादव का रहा। तेजस्वी यादव ने असम के मुख्यमंत्री हेमंत बिस्व सरमा को उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का चाइनीज वर्जन करार दिया। तेजस्वी यादव ने इस नस्लवादी टिप्पणी से पूर्वोत्तर राज्यों के प्रति अपनी व इंडी गठबंधन के दूसरे नेताओं मानसिकता का ही प्रदर्शन किया है। तेजस्वी का असम के मुख्यमंत्री को लेकर दिया गया बयान राहुल गांधी के तथाकथित गुरु सैम पित्रोदा के बयान को ही आगे बढ़ा रहा है। विपक्ष का कहना है कि भाजपा सस्ती लोकप्रियता प्राप्त करने के लिए मुसलमानों पर निशाना साध रही है और उन्हें जानबूझकर परेशान किया जा रहा है। विपक्ष यह भी आरोप लगा रहा है कि चूँकि असम के मुख्यमंत्री कांग्रेस से आए हैं इसलिए वो संघ के निकट आने के लिए यह सब नाटक कर रहे हैं।

जबकि वास्तविकता ये है कि सभी पूर्वोत्तर बांग्लादेशी रोहिंग्याओं की घुसपैठ व चर्च द्वारा प्रेरित मतांतरण के प्रयास से बुरी तरह से त्रस्त हैं और रही सही कसर कांग्रेस व मुस्लिम लीग आदि की मुस्लिम तुष्टिकरण की विकृत राजनीति पूरी करती रही है।

असम का जनसांख्यिकीय संतुलन तीव्रता से बिगड़ रहा है और राज्य को पहली बार ऐसा मुख्यमंत्री मिला है जो असम की संस्कृति का अस्तित्व बचाने के लिए साहस दिखा रहा है।

गुम होते आदर्श शिक्षक

डॉ. प्रितम

सिर्फ शिक्षा ही एक ऐसा माध्यम है जिसके द्वारा हम दुनिया में कोई भी सर्वोच्च पद प्राप्त कर सकते है और बेहतर शिक्षा, संस्कार, कला-गुणों का संचार विद्यार्थी में आदर्श शिक्षक ही कर सकते है। जीवन में शिक्षक का स्थान माता-पिता तुल्य होता है, क्योंकि शिक्षक ही विद्यार्थियों को जीवन में योग्य मार्गदर्शन देकर सफलता के प्रगति पथ पर अग्रसर होने के लिए काबिल बनाते है। जीवन में गुरु बिना ज्ञान प्राप्त नहीं हो सकता। शिक्षक गुणों की खान होते है, शिक्षक ज्ञानी, विशेषज्ञ, मृदुभाषी, दूरदृष्टि, सहनशील, उत्तम श्रोता-वक्ता, समझदार, प्रोत्साहन कर्ता, अनुसंधानकर्ता, जिज्ञासा वृत्ति, परोपकारी, सत्य, निष्ठा, त्यागी, सदाचारी, धैर्यवान, निर्व्यसनी होते है। शिक्षक अपने सभी विद्यार्थियों को एक स्तर से देखते है, कभी कोई भेदभाव नहीं करते। शिक्षक शिल्पकार की भूमिका में होते है जो अपने विद्यार्थियों को कलागुणों से निखारकर आदर्श विद्यार्थी में तब्दील करते है। हमारे देश में महान शिक्षक समाज सुधारकों के रूप में हमें मिले है। क्रांतिसूर्य महात्मा ज्योतिबा फुले एवं उनकी पत्नी क्रांतिज्योती सावित्रीमाई फुले जिन्होंने भारत देश में सर्वप्रथम स्त्री शिक्षा की ज्योत जलाने के लिए समाज की घृणा सहन करके लड़कियों के लिए पहली स्कूल स्थापित की। ज्योतिबाजी ने अपनी पत्नी को पढ़ाकर-लिखाकर एक आदर्श शिक्षिका बनाकर एक इतिहास बनाया और फिर दोनों ने मिलकर शिक्षा के मोल को समझकर समाज में नई क्रांति की शुरूआत की। लोगों के ताने, गालियाँ, फब्तियां, तिरस्कार सहते थे, उनपर लोग पत्थर, कीचड़, गोबर फेकते थे। पूरा समाज उनके विरुद्ध होकर भी फुले दंपत्ति निस्वार्थ भाव से अपना सब कुछ त्याग कर शिक्षा की लौ जलाते रहे। एक पल के लिए अगर हम उनके संघर्ष के दिनों की कल्पना भी करे तो हमारी रूह कांप जाती है, ऐसा असहनीय दर्द भरा संघर्ष उन्होंने शिक्षित समाज की नींव रखने के लिए सहा। धीरे-धीरे अनेक महान समाज सुधारकों ने शिक्षा को जन-जन तक पहुंचाने के लिए संस्थानों की स्थापना की। इन शिक्षा संस्थानों का केवल एक ही उद्देश्य था कि सबको बिना किसी भेदभाव या ऊंच-नीच के एक समान शिक्षा का अधिकार मिल सकें। आज हम आधुनिक युग में शिक्षा का स्तर देखते है तो, इसका स्वरूप पिछले कुछ दशकों के मुकाबले बिलकुल विपरीत नजर आता है। बच्चों के शिक्षा के प्राथमिक स्तर अर्थात नर्सरी से लेकर पीएचडी तक शिक्षा एक पैकेज के रूप में पैसे के हिसाब से मिलता है, इसमें पुस्तकें, यूनिफार्म, कोचिंग, स्टेशनरी हर चीज पहले से तय होती है। शिक्षा

के बाजार में प्रतियोगिताएं भी खूब चलती है। कुछ महंगे शिक्षा संस्थान तो फाइव स्टार होटल जैसा अत्याधुनिक सेवा-सुविधाओं वाला पैकेज भी विद्यार्थियों को प्रदान करते है। शिक्षा के क्षेत्र में अब दिखावे को सबसे अधिक महत्व दिया जाता है। सरकारी और निजी ऐसे दो प्रकार के शिक्षा संस्थान हमारे देश में है।

सरकारी संस्थान में शिक्षकों का वेतन बेहतर होने के कारण वहां के शिक्षकों की आर्थिक स्थिती समाधानकारक होती है। देश में केंद्र सरकार के आईआईटी, आईआईएम, विश्वविद्यालय, केंद्रीय विद्यालय, नवोदय विद्यालय, आर्मी पब्लिक स्कूल जैसे संस्थान अपने बेहतर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए जाने जाते है, परंतु अन्य संस्थानों में बहुत बुरी स्थिति में शिक्षा प्रणाली नजर आती है। अनेक प्रवेश परीक्षाओं, शिक्षक भर्ती में फजीर्वाड़ा नजर आता है। बड़े-बड़े वेतनभोगी शिक्षकों को अपने विषय का ज्ञान नहीं होता। बहुत से राज्यों की सरकारी शिक्षा संस्थान कबाड़ की दुकान नजर आती है, विशेष रूप से पिछड़े क्षेत्रों में। नकली पदवी के लिए भी रैकेट सक्रिय है। शिक्षा विभाग में बहुत सी गंभीर समस्याओं की बातें तो जानते है, लेकिन कोई भी खुलकर विरोध नहीं करता है।

आज शिक्षक भी व्यभिचार, भ्रष्टाचार, भेदभाव, नशाखोरी करता हुआ दिखता है। प्रसिद्ध निजी शिक्षण संस्थान जो आर्थिक रूप से मजबूत है, वे शिक्षा की गुणवत्ता बनाये रखने और बेहतर सुविधा विद्यार्थियों को प्रदान करने का प्रयत्न करते नजर आते है, लेकिन छोटे निजी संस्थान में नियमानुसार योग्यतापूर्ण शिक्षक की भर्ती केवल नाम के लिए होती है, क्योंकि अत्यल्प वेतन पर शिक्षक को नौकरी पर रखना उस शिक्षक से धोखा है, इसलिए ऐसे संस्थानों में हर साल अयोग्य नये शिक्षक आते-जाते है। इस कालावधि में विद्यार्थियों का बहुत नुकसान होता है, शिक्षक भी अपने छोटे-से वेतन के हिसाब से कामचलाऊ शिक्षा प्रदान करते है। ऐसे शिक्षक और विद्यार्थी दोनों विकसित समाज के लिए रुकावट का काम करते है। आजकल देश में गिरते शिक्षा के स्तर के लिए ऐसी शिक्षा प्रणाली जिम्मेदार है। शिक्षा में अनेक कलंकित करने वाली घटनाएं नित्य घटित होती है, 15 अगस्त 2024 को नागपुर (महाराष्ट्र) के दैनिक भास्कर हिंदी समाचार पत्र के प्रथम पृष्ठ पर राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय में 92 प्रोफेसर पद भर्ती के लिए 30 करोड़ रुपये की रिश्वत लेने की खबर प्रकाशित हुयी थी, अर्थात हर एक पद के लिए 50-80 लाख रुपए के आसपास। 20 अगस्त 2024 को लोकमत समाचार पत्र में भी छत्रपति संभाजी नगर (महाराष्ट्र) के एक महाविद्यालय के प्रोफेसर जिनका वेतन पौने तीन लाख रुपए महीना है, उन्होंने अपने एक पीएचडी के विद्यार्थी से 5 लाख रुपये रिश्वत में लेने का तय किया और इसकी पहली किस्त 50 हजार रुपए लेते हुए एंटी करेप्शन ब्यूरो द्वारा प्रोफेसर पकडी गयी, यह खबर प्रकाशित हुयी थी। ऐसी खबरें अक्सर ही पढ़ने-सुनने को मिलती है, इस क्षेत्र में कार्यरत कर्मचारी वर्ग इस हकीकत को काफी अच्छे से जानते है। लेकिन इसकी भयावहता का शिकार केवल गरीब और योग्य उच्च शिक्षित उम्मीदवार होता है क्योंकि वह रिश्वत नहीं दे सकता, इसलिए नौकरी प्राप्त कर पाना कठिन होता है।

बहुत बार इस समस्या के बारे में कुलगुरु, सत्ताधारी नेता, मंत्री महोदय को अवगत कराया गया लेकिन कोई स्थायी समाधान नहीं मिला। गलत मार्ग से शिक्षक जैसे पवित्र पद प्राप्त करने वाले क्या सच में अपने पद की गरिमा, न्याय, निष्ठा बनाकर आदर्श शिक्षक बन पाएंगे? हमारे देश में 20 सालों से भी अधिक समय से योग्य उम्मीदवार यूजीसी-नेट, सेट, स्लेट जैसी असिस्टेंट प्रोफेसर पद हेतु योग्यता परीक्षा पास करके, एमफिल, पीएचडी पदवी प्राप्त करके, अपने जीवन के अनेक वर्ष, पैसा, उम्र इस उच्च शिक्षा को प्राप्त करने में खर्च करके भी उन्हें योग्यतानुसार नौकरी नहीं मिली इसलिए उनकी जिंदगी तबाह हो चुकी है। महाराष्ट्र राज्य में सरकारी सहायता प्राप्त (ग्रांटेड) कॉलेजों में प्रोफेसर पदों या नौकर भर्ती की जिम्मेदारी कॉलेज को दी गयी है, वेतन सरकार करता है लेकिन पद भर्ती कॉलेज करता है। अधिकतर शिक्षा संस्थान में अनुबंध पर शिक्षकों को दिहाड़ी मजदूर से भी कम वेतन प्राप्त होता है। इस महंगाई में जीवन जीना बहुत मुश्किल हो जाता है, इसलिए बहुत बार हताश होकर ऐसे शिक्षक आत्महत्या भी करते है। एक बार मैं चंद्रपुर (महाराष्ट्र) के ग्रामीण क्षेत्र के राज्य सरकार द्वारा अनुदानित लड़को के आवासीय आश्रम विद्यालय में एक दिन के लिए रुका था, तब बरसात का समय था, आश्रम भवन खंडहर की तरह था, दरवाजे की जगह लकड़ियों के टुकड़े जोड़कर काम चलाया जा रहा था, कमरे के अंदर से दीवारें भीगी थी, इतने अपर्याप्त सुविधाओं में छोटे-छोटे विद्यार्थी वहां निचे दरी बिछाकर सोते थे। स्नानगृह, शौचालय बहुत अस्वच्छ थे, इसलिए वहां के विद्यार्थी आश्रम के कुएं पर ही खुले में स्नान करते थे। वहां का रसोईघर देखकर तो किसी को भी भोजन करने की हिम्मत ही नहीं होगी। दीवारों से लगकर ही नालियां बह रही थी, जिसमें मौजूद बड़े-बड़े मच्छर एक पल के लिए भी शांत बैठने नहीं देते थे, ऐसे वातावरण में सांप, बिच्छू का डर बना रहता है। वह दृश्य आज भी याद करता हूँ, तो शरीर कांप जाता है।

और वहां के बच्चों पर तरस आता है कि देश का आने वाला भविष्य किस बदहाल स्थिति में दिन काट रहा है। आज के युग में सच्चा शिक्षक होना बहुत मुश्किल है।

गोविंदगढ़ पुलिस की बड़ी कार्यवाही, हत्या के प्रयास के चार आरोपियों को गिरफ्तार कर किया गया न्यायालय पेश

रीवा। पुलिस अधीक्षक विवेक सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनिल सोनकर , डीएसपी मुख्यालय हिमाली पाठक के मार्गदर्शन में गोविन्दगढ़ पुलिस को मिली बड़ी सफलता। विवरण- थाना गोविंदगढ़ में दिनांक 26 -8-24 को फरियादी रामायण प्रसाद विश्वकर्मा पिता जोखू लाल विश्वकर्मा निवासी पाती द्वारा रिपोर्ट की गई की उसकी मां सोनिया विश्वकर्मा पत्नी शकुंतला विश्वकर्मा और भाई राजेंद्र विश्वकर्मा को बगल के ही चार आरोपियों बाबूलाल विश्वकर्मा मनोज विश्वकर्मा सीता विश्वकर्मा और संगीता विश्वकर्मा ने जान से मारने की नीयत से बुरी तरह मारपीट करके घायल कर दिए जिसमें फरियादी और पीड़ितों को सर में गंभीर चोटें आई जिस पर गोविंदगढ़ पुलिस ने फरियादी और पीड़ितों की मेडिकल परीक्षण एवं इलाज करवा कर बाद अपराध क्रमांक 217/ 24 धारा 296 ,115 , 351 (2), 109 , 3 (5) दर्ज किया गया जिसमें आज दिनांक 5-9-24 को चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया गया जहां से माननीय न्यायालय द्वारा आरोपियों को जेल भेजा गया। सराहनीय भूमिका थाना प्रभारी शिवा अग्रवाल उपनिरीक्षक ,सुशील सिंह सउनि लालमणि बागरी, आरक्षक अमित पांडे, रवि शंकर पांडे, नीरज पांडे, एवं महिला आरक्षक सीता गोस्वामी !

रीवा में स्पा सेंटर में पुलिस की दबिस कई संदिग्ध युवक युवतियों को पुलिस ने लिया कब्जे में पूछताछ जारी

मसाज सेंटर के नाम पर अवैध कारोबार की जानकारी के बाद सीएसपी ने टीम के साथ की छापे मार करवाई

रीवा। जिले के खुटेही इलाके में संचालित रॉयल हम स्पा सेंटर पर बुधवार रात पुलिस की रेड पड़ी। जहां पुलिस को आपत्तिजनक सामग्री सहित चार महिलाएं और एक पुलिस भी मौके पर मिले। जिनसे पुलिस पूछताछ कर रही है। जानकारी के मुताबिक सेक्स रैकेट की सूचना पर पुलिस ने यह कार्यवाही की। बताया गया कि शहर के खुटेहि इलाके में यह स्पा सेंटर लंबे समय से संचालित था आरोप है कि स्पा सेंटर की आड़ में देह व्यापार किया जा रहा था।जिसके संबंध में पुलिस के द्वारा पूछताछ की जा रही है। सीएसपी रितु उपाध्याय ने बताया कि स्पा सेंटर में मिली चारों महिलाएं दूसरे शहरों की रहने वाली है। अभी तक किस आधार पर शहर में यह स्पा सेंटर संचालित किया जा रहा था उसके संबंध में छानबीन की जा रही है। पुलिस को मौके से आपत्तिजनक सामान भी मिला है। मामले में पांच लोगों से पूछताछ की जा रही है। जानकारी के मुताबिक 13 दिन पहले ही पुलिस ने शहर के सिरमौर चौराहे पर बने तानसेन कॉम्प्लेक्स में चल रहे सैक्स रैकेट का भंडाफोड़ किया था। पुलिस ने मुखबिर से सूचना मिलने के बाद अड्डे पर दविश दी थी। जहां डीएसपी प्रतिभा शर्मा के नेतृत्व में अमहिया थाना पुलिस ने रेड की कार्रवाई करते हुए तीन लड़कियों और तीन लड़कों समेत कुल 6 लोगों को गिरफ्तार किया था।

रीवा में 10 वर्षीय नाबालिक ने की 6 वर्षीय बच्ची से दुष्कर्म की कोशिश, पास्को एक्ट के तहत करवाई

रीवा। जिले में मोबाइल में अश्लील वीडियो देखकर 10 साल के नाबालिक ने 6 साल की बच्ची से दुष्कर्म की कोशिश की। मामले की शिकायत थाने में दर्ज कराई गई है पूरा मामला रीवा के गुड़ थाना क्षेत्र का है। एडिशनल एसपी अनिल सोनकर ने बताया कि बच्ची की मां ने थाने में शिकायत दर्ज करवाई है कि 6 वर्षी बच्ची को अकेला पाकर 10 वर्षीय बच्चे ने उसके साथ दुष्कर्म की कोशिश की। पुलिस ने बालक को अभी रक्षा में लेकर उससे पूछताछ की है। बच्चों को बाल संप्रेषण गृह में रखा गया था। जिसे गुरुवार को न्यायालय में पेश किया गया है। इस तरह की ज्यादातर घटनाएं मोबाइल में अश्लील वीडियो देखने से घटित हो रही है जो मोबाइल बच्चों को पढ़ाई के लिए दिया जाता है उस मोबाइल के माध्यम से बच्चे कभी-कभी गलत और अश्लील वीडियो देखने की लत के शिकार हो जाते हैं मां-बाप को बच्चों को मोबाइल फोन देने के बाद सतर्कता बरतनी चाहिए ताकि इस तरह के मामले निकाल कर सामने ना आए।

वसूली बाज दरोगा साहब को मिली उनकी मनपसंद चौकी की कमान

दरोगा साहब का उजागर हुआ था काला कारनामा,आखिर कैसे मिली चौकी की कमान

रीवा, मऊगंज। मऊगंज जिले की नवागत एसपी रसना ठाकुर एएसआई का तबादला आदेश जारी करके सुर्खियों में आ गई हैं। आदेश में उन्होंने नईगड़ी पुलिस थाने में पदस्थ बृहस्पति पटेल को पिपराही चौकी का प्रभारी बनाया है. दरअसल आपको बता दे कि मऊगंज पुलिस अधीक्षक रसना ठाकुर द्वारा तबादला आदेश जारी कर बृहस्पति पटेल को पिपराही पुलिस चौकी का प्रभारी नियुक्त करते ही सोशल मीडिया में आदेश पर सवाल खड़े होने लगे,जिस पर बृहस्पति पटेल ने ट्रक संचालकों से अवैध वसूली करने के मामले में खाकी पर दाग लगाया था। वहीं वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद तत्कालीन रीवा पुलिस अधीक्षक नवनीत भसीन ने सहायक उप निरीक्षक बृहस्पति पटेल को निलंबित कर दिया था। अब बड़ा सवाल यह है कि आखिर कैसे फिर बृहस्पति पटेल को उसी चौकी का प्रभारी बनाया गया क्या एएसआई की

वर्दी में लगा दाग क्या पूरी तरह धुल गया।

वो कहते हैं ना कि अगर कुत्ते की दुम में पाइप डालकर रखा जाए तो वह तब तक सीधा रहता है जब तक पाइप उसके दुम में रहती है जैसे ही दुम पाइप से निकाल दी जाए वैसे ही उसकी दुम फिर से टेढ़ी हो जाएगी ठीक उसी तरह अगर अवैध वसूली की लत लग जाए तो वह लाख कोशिशों के बाद भी नहीं छूट सकती। वही मऊगंज के पूर्व पुलिस अधीक्षक वीरेंद्र जैन ने खाकी पर दाग बचाने के चक्कर में खादी का दबाव झेल लिया, लेकिन बृहस्पति पटेल को मऊगंज जिले के किसी भी पुलिस चौकी का प्रभारी नहीं बनाया. हालांकि बृहस्पति पटेल को खटखरी पुलिस चौकी का प्रभारी बनाए जाने के लिए भरसक प्रयास भी किए गए थे वही पुलिस अधीक्षक वीरेंद्र जैन के जाते ही नवागत पुलिस अधीक्षक रसना ठाकुर को अंधेरे में रखकर खादी के दबाव में जारी हुआ आदेश और बृहस्पति पटेल को पुनः पिपराही चौकी का प्रभारी बनाया गया।

सामुदायिक स्वास्थय केन्द्र गुड़ में पोस्ट मार्टम कराए जाने को लेकर के माननीय उपमुख्यमंत्री को लिखा पत्र

विकास तिवारी

रीवा, गुढ़। म0प्र0 शासन द्वारा सामुदायिक स्वास्थय केन्द्र गुड़ में पोस्टमार्टम प्रारंभ किए जाने के लेकर मुख्य चिकित्सा अधिकारी जिला रीवा को आदेशित किया था जिस पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 बी.एल. मिश्रा ने अपने पत्र क्रमांक/ सीएमएचओ/ 2023/70-78 दिनांक 23.02.2023 को प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ0 कल्याण सिंह को शीघ्र पोस्ट मार्टम कराए जाने के आदेश दिए थे जिस पर इस बात का उल्लेख है। कि तहसील गुड़ थाना क्षेत्रार्न्तगत अकास्मिक व्यक्तियो की दुर्घटना में पीड़ित व्यक्तियों की आवश्यकता को देखते हुए प्रभारी चिकित्सा अधिकारी गुड़ जिला रीवा को निर्देषित किया था कि पोस्ट मार्टम की कार्यवाही 10 दिन के

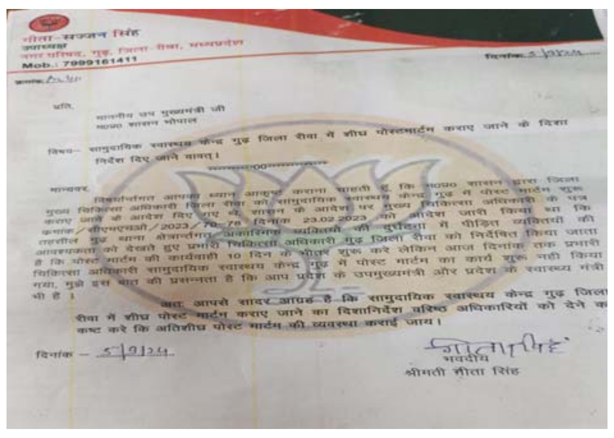
गीता सज्जन सिंह
Mob.: 7999161411
श्रीमती गीता सिंह

भीतर शुरू करे माड्यूलर पोस्ट मार्टम कक्ष बनने तक अस्थायी व्यवस्था उपयंत्री एन.एच.एम.के सहयोग से बनाए तथा संजयगांधी अस्पताल में पोस्टमार्टम व्यवस्था हेतु गुड़ में पदस्थ डॉ0 कल्याण सिंह व डॉ0 सूर्यप्रकाश सिंह की ड्यूटी लगाई थी। लेकिन आज दिनांक तक प्रभारी चिकित्सा अधिकारी द्वारा सामुदायिक स्वास्थय केन्द्र गुड़ में पोस्ट मार्टम का कार्य शुरू नही किया गया है। इस सबंध में नगर पंचायत गुड़ की उपाध्यक्ष श्रीमती गीता सिंह ने प्रदेश के उपमुख्यमंत्री तथा प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री राजेन्द्र शुक्ल जी को पत्र लिखा है जिसमें इस बात का उल्लेख किया है कि गुड़ क्षेत्र में व्यापक पैमाने पर दुर्घटनाएं हो रही है, पोस्ट मार्टम कराने के लिए गरीब व्यक्ति रीवा ले जाते है। और काफी परेशान होते है ऐसी स्थिति में पोस्टमार्टम की व्यवस्था शीघ्र कराये जाने के निर्देश जारी किए जाए ताकि शासन की योजनाओं का लाभ क्षेत्र की गरीब जनता को भी मिल सके।

कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक संपन्न

पंडालो और जुलूस में डीजे का उपयोग रहेगा प्रतिबंध

रीवा। कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में अपर कलेक्टर श्रीमती सपना त्रिपाठी ने कहा कि सबके सहयोग और समन्वय से त्यौहारों के लिए समुचित व्यवस्था की जाएगी। जुलूस और त्यौहारों में नगर निगम साफ-सफाई, प्रकाश तथा पेयजल की व्यवस्था करेगा। जुलूस और उत्सव की व्यवस्थाओं में आमजनता भी प्रशासन को सहयोग करे। शासन के निर्देशों और सुरक्षा को ध्यान में रखकर त्यौहार मनाएं। जुलूस परंपरागत रूप से निर्धारित मार्ग से ही निकालें। जुलूस के दौरान पुलिस द्वारा सुरक्षा और यातायात के समुचित प्रबंध किए जाएंगे। बाबा घाट

में प्रतिमाओं का विसर्जन पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगा। नगर निगम द्वारा चलित टैंकर के माध्यम से घर में रखी छोटी प्रतिमाओं को विसर्जन की सुविधा दी जाएगी। ब?ी प्रतिमाओं का विसर्जन करहिया घाट में किया जाएगा। अपर कलेक्टर ने कहा कि अधीक्षण यंत्री विद्युत मण्डल ढीले तारों को ऊँचा कराएं। पूजा पण्डालों में अस्थायी बिजली कनेक्शन देने के साथ उनमें सुरक्षा की पूरी जाँच भी कराएं। बैठक में एडिशनल एसपी अनिल सोनकर ने कहा कि हर वर्ष की तरह सबके सहयोग से जुलूस और पण्डालों में व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। जुलूस एक बार शुरू होने के बाद निरंतर चलता रहे। चौराहों में जुलूस रोकने पर व्यवधान होता है। जुलूस और पूजा पण्डालों में डीजे बजाने पर पूरी तरह से प्रतिबंध रहेगा। जुलूस के वाहन में केवल दो साउंड बाक्स रखने की ही अनुमति होगी। यदि डीजे संचालक इसका उल्लंघन करेंगे तो जब्ती की कार्यवाही की जाएगी। लोक निर्माण विभाग के अधिकारी जुलूस मार्ग की स?कों को ठीक करा दें। बैठक में प्लास्टर ऑफ पेरिस की मूर्तियों को जब्त करने, स?कों के सुधार, करहिया मार्ग में प्रकाश की व्यवस्था के सुझाव दिए गए। बैठक में संयुक्त कलेक्टर पीके पाण्डेय, तहसीलदार हुजूर शिवशंकर शुक्ला, सीएसपी ऋतु उपाध्याय तथा शिवाली चतुर्वेदी, अन्य संबंधित अधिकारी और शांति समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

रीवा एनएसयूआई ने टीआरएस महाविद्यालय में फैली अव्यवस्थाओं को लेकर बीजेपी सांसद को सौंपा ज्ञापन

रीवा। एनएसयूआई जिला अध्यक्ष पंकज उपाध्याय के नेतृत्व में टीआरएस महाविद्यालय में फैली अवस्थाओं के खिलाफ व प्राचार्य मैडम के दुर्व्यवहार के खिलाफ बीजेपी सांसद जनार्दन मिश्रा को ज्ञापन के माध्यम से अवगत कराया गया। जारी प्रेस विज्ञप्ति में जिला अध्यक्ष पंकज उपाध्याय ने बताया कि महाविद्यालय में लगातार अवस्थाएं फैली हुई है इसी को लेकर आज हम सब प्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला जी से मिलना चाह रहे थे परंतु उन्होंने अपना कार्यक्रम कैंसिल कर दिया और हम छात्रों से मुलाकात नहीं हो पाई उसके बाद हम लोगों ने सांसद जी के माध्यम से डिप्टी सीएम के नाम ज्ञापन सौंपा, महाविद्यालय की समस्याएं कुछ इस प्रकार से है छात्रों को महाविद्यालय में ना तो स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो पा रहे नहीं क्लास रूम में साफ सफाई रहती है कुर्सी बेंच में एक परत धूल जमी रहती है इसी प्रकार अभी एमएससी फोर्थ ईयर वा बीकॉम सीए फर्स्ट ईयर का परीक्षा परिणाम बिगेस्ट दो दिनों पहले घोषित किया गया जिसमें संबल मेधावी के अंतर्गत आने वाले छात्र-छात्राओं को फेल हुआ प्रमोटेड किया गया यहां तक की जो छात्र पेपर दिए हैं उन्हें भी एब्सेंट किया गया यह स्थिति है महाविद्यालय की और जब कोई सामान्य छात्र मुलाकात करना चाहता है प्रचार मैडम से तो उन्हें केबिन के बाहर से ही भगा दिया जाता है छात्र-छात्राओं के अंदर भय भरा जा रहा है ताकि वह प्रिंसिपल रूम जाकर बात करने की हिम्मत ना करें जो कि गलत है यह दुर्व्यवहार एनएसयूआई बर्दाश्त नहीं करेगी।

महाविद्यालय कैंपस में जो बाथरूम बने हुए हैं उनके महीना साफ सफाई नहीं होती इस तरह की स्थिति

बनी हुई है। अभी मध्य प्रदेश सरकार द्वारा प्रवेश प्रक्रिया ऑफलाइन कर दी गई थी जिसकी पूरी प्रक्रिया महाविद्यालय से ही होनी थी लेकिन टीआरएस महाविद्यालय में ना तो ठीक से सिस्टम चल पाए और ना ही वहां वाई-फाई उपलब्ध हो पाई और ना वहां ऑपरेटर उपलब्ध हो पाए जब हमने प्राचार्य मैडम से बात करने की कोशिश की तो उन्होंने कहा की ऑपरेटर है और ऑपरेटर वहीं के शिक्षकों को ऑपरेटर बना दिया गया जिसकी वजह से एक रजिस्ट्रेशन में घंटा बर्बाद हुए और कई छात्र-छात्राएं एडमिशन के लिए भटकते रहे इसी को लेकर हम सब डिप्टी सीएम से मुलाकात करना चाह रहे थे परंतु डिप्टी सीएम जी शायद छात्रों से मिलना नहीं चाहते इस वजह से वह महाविद्यालय नहीं पहुंच सके तो हमने सांसद जी के माध्यम से डिप्टी सीएम जी के नाम ज्ञापन सौंप कर छात्र हित में निर्णय लेने हेतु ज्ञापन सैपा है। और यह माल अगर हमारी पूरी नहीं होगी तो हम सैकड़ो छात्र-छात्राओं के साथ टीआरएस महाविद्यालय का जल्द घेराव भी करेंगे। इस दौरान जिला अध्यक्ष पंकज उपाध्याय,महासचिव

सत्यम शुक्ला,विधानसभा अध्यक्ष प्रतीक द्विवेदी, महासचिव विमल पटेल,सचिव संजीव शुक्ला, अभिषेक पांडे, रॉबिंसन साकेत टिंकू अभिमन्यु सिंह,अभिषेक तिवारी,टीआरएस इकाई अध्यक्ष उत्कर्ष मिश्रा अजय सिंह, आईटी सेल अध्यक्ष विनय तिवारी, छात्र नेता बालकिशन यादव तोसड़ यादव सुजल सिंह,ऋतिक तिवारी सागर पांडे, गौरव पांडे,आशुतोष पांडे,पवन, सनी सिंह,आर्यन तिवारी, आदि सैकड़ो की संख्या में छात्र उपस्थित रहे।।

रोहित शेट्टी ने शो से किया था बाहर, अब आसिम रियाज ने तोड़ी चुप्पी, साधा निशाना

सलमान खान के 'बिग बॉस 13' की वजह से आसिम रियाज लाइमलाइट में आए थे. वो इस शो के रनर अप थे. बिग बॉस के बाद आसिम टीवी इंडस्ट्री से पूरी तरह से गायब हो गए थे. चार साल तक टीवी से दूर रहने के बाद आसिम ने रोहित शेट्टी के एडवेंचर रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी 14' में शामिल होने के लिए हां कह दी थी. लेकिन इस शो में भी किस्मत ने उनका साथ नहीं दिया. न तो वो स्टंट ठीक से परफॉर्म कर पाए, न ही साथी कंटेस्टेंट के साथ उनका बर्ताव अच्छा था. आखिरकार उनकी बढ़ती बदतमीजी को देखते हुए रोहित शेट्टी और चैनल ने उन्हें शो से बाहर करने का फैसला लिया था.आसिम को क्यों बाहर किया गया ? इस बारे में रोहित शेट्टी ने 'खतरों के खिलाड़ी' के शुरुआती एपिसोड में खुलकर बात की थी. सिर्फ रोहित शेट्टी ही नहीं बल्कि शो में शामिल हुए कई कंटेस्टेंट्स ने इस पूरे मामले पर अपना पक्ष सामने रखा था. पर अब तक आसिम रियाज की तरफ से इस पूरे बवाल को लेकर कोई बात नहीं की गई थी. लेकिन अब आसिम का एक वीडियो वायरल हो रहा है. इस वीडियो में बिना नाम लिए आसिम 'खतरों के खिलाड़ी' की टीम पर निशाना साधते हुए नजर आ रहे हैं.

आसिम ने क्या कहा ?

वायरल हो रहे इस वीडियो में आसिम ये कहते हुए नजर आ रहे हैं कि वो लोग बोल रहे हैं कि कोई इंटरनेट और सोशल मीडिया पर गंद फैला रहा है. अब ये भी ठीक ही है. एक होता है एक्शन और दूसरा होता है रिएक्शन, किसी के एक्शन के बाद दूसरे का रिएक्शन निकलता है. लेकिन वो लोग सिर्फ मेरा रिएक्शन दिखा रहे हैं. खुद का एक्शन उन्होंने नहीं दिखाया है. पूरे वीडियो को एडिट करके सिर्फ मेरे रिएक्शन का क्लिप दिखाया जा रहा है. दुबई के एक इवेंट में आसिम रियाज ने ये बात कही है और उनका ये वीडियो क्लिप सोशल मीडिया पर खूब धूम मचा रहा है.

क्या है पूरा मामला ?

दरअसल 'खतरों के खिलाड़ी' के शुरुआती एपिसोड में गश्मीर महाजनी और शिल्पा शिंदे के अलावा आसिम रियाज सभी के साथ टकराते हुए नजर आ रहे थे. उन्होंने रोहित शेट्टी के सामने ये तक कह दिया था कि सभी झुंड बनाकर उन पर अटैक कर रहे हैं. सिर्फ कंटेस्टेंट ही नहीं आसिम को कंटेस्टेंट को दिए जाने वाले स्टंट से भी आपत्ति थी. जब आसिम ने स्टंट अधूरा छोड़ दिया तब नीचे आकर उन्होंने रोहित शेट्टी से कहा कि जो स्टंट उन्हें इस शो में दिया गया था, वो स्टंट ही पूरी तरह से गलत है. जब अभिषेक कुमार और शालीन भनोट ने उन्हें समझाने की कोशिश की तब उन्होंने उनसे ही झगड़ा करना शुरू कर दिया. उन्होंने कहा कि वो इस शो में पैसों के लिए नहीं बल्कि अपने फैन्स के लिए आए हैं. वरना तो उन्हें इस शो की जरूरत नहीं है और वो 6 महीने में 4 गाड़ियां बदलते हैं.

मां श्वेता तिवारी से झूठ बोलकर फिल्म देखने गई थीं पलक, इस तरह से पकड़ी गई चोरी

श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी सलमान खान की फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' से अपना बॉलीवुड डेब्यू कर चुकी हैं. श्वेता तिवारी अक्सर उनके नए शो 'आपका अपना जाकिर' में अपनी बेटी पलक से जुड़े मजेदार किस्से शेयर करती रहती हैं. हाल ही में उन्होंने बताया कि किस तरह से उनकी बेटी पलक उन्हें झूठ बोलकर फिल्म देखने गई थीं और कैसे उन्होंने अपनी बेटी की चोरी पकड़ी. पलक का ये किस्सा सुनकर जाकिर खान और शो में मौजूद सभी मेहमानों ने खूब तालियां बजाई. श्वेता तिवारी ने बताया, मेरी बेटी जब 13-14 साल की थीं, तब उसकी तीन लडकियां बेस्ट फ्रेंड थीं. उस समय वो सभी फिल्म देखने गई थीं और उन्हें उस उम्र में फिल्म देखने की इजाजत नहीं थी. पलक ने मुझे कहा था कि उनकी एक दोस्त है भूमि, जो हमारी ही सोसाइटी में रहती थी, उसके पिता बीमार हैं और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उनका ख्याल रखने के लिए पलक और भूमि दोनों अस्पताल जा रहे हैं. ये सुनकर मैंने भी उन्हें अस्पताल जाने की इजाजत दे दी थी.

मां से झूठ बोलकर फिल्म देखने गई थीं पलक

आगे श्वेता बोलीं, जब भी मैं पलक से बात करने के लिए भूमि को फोन करती थी, उससे बात हो ही नहीं पा रही थी. जब मैं उसे पूछती थी कि बेटा आपके पापा कैसे हैं ? पलक कहां है ? तब वो मुझे कहती थी कि आंटी अस्पताल में दोनों को एक साथ पापा के पास रहने नहीं दे रहे हैं. फिलहाल पलक ऊपर पापा के साथ है और मैं नीचे बैठी हूं. उसकी बात सुनने के बाद मैं भी ठीक है, कहते हुए फोन रख देती थी और आधे घंटे बाद फिर फोन लगाती थी. भूमि हमेशा मुझे कभी पलक ऊपर है – कभी वो वाशरूम में है कहती थीं. 2 घंटे मेरी पलक से बात नहीं हुई.

कौन बनेगा करोड़पति 16 में आने के लिए 96 दिनों तक फल खाकर किया गुजारा, अमिताभ बच्चन ने तोड़ा व्रत

सोनी टीवी के क्विज रियलिटी शो ने अब तक 15 सीजन पूरे किए हैं. फिलहाल अमिताभ बच्चन इस शो का 16वां सीजन होस्ट कर रहे हैं. इस शो ने कई मिडिल क्लास परिवार को नई उम्मीद दी है. अब तक हजारों कंटेस्टेंट इस शो के हॉटसीट पर बैठ चुके हैं और ज्यादातर कंटेस्टेंट ने इस शो से अच्छी कमाई भी की है. शुरुात से लेकर अब तक इस शो में कई कंटेस्टेंट आए हैं. लेकिन पहली बार केबीसी के शो में एक ऐसे खिलाड़ी की एंट्री हुई है, जिसने अमिताभ बच्चन से मिलने के लिए 96 दिनों का व्रत रखा था.कौन बनेगा करोड़पति 16 के लेटेस्ट एपिसोड में अमिताभ बच्चन के सामने हॉटसीट पर श्रीम शर्मा बैठे. श्रीम की मां का सपना था कि वो इस शो में शामिल हो और अपनी मां का सपना पूरा करने के लिए श्रीम ने केबीसी के सभी चैलेंजेस पूरे किए और आखिरकार वो अमिताभ बच्चन के सामने हॉटसीट पर बैठ गए. अमिताभ बच्चन के सामने हॉटसीट पर बैठने के बाद भावुक हुए श्रीम ने बिग बी के साथ ये बात शेयर करते हुए कहा कि आखिरकार उन्होंने अपनी मां का सपना पूरा कर लिया है और वो बहुत खुश हैं. साथ ही इस बातचीत के दौरान उन्होंने अमिताभ बच्चन के सामने खुद को लेकर एक मजेदार खुलासा भी किया.

पेशे से ज्योतिषी हैं श्रीम

दरअसल पेशे से श्रीम एक ज्योतिषी हैं, हालांकि उन्हें इस बात का बिलकुल भी अंदाजा नहीं था कि वो अमिताभ बच्चन के शो में शामिल होने वाले हैं. **KBC** 16 में आकर अमिताभ बच्चन के सामने हॉटसीट पर बैठने के लिए उन्होंने 97 दिनों का व्रत रखा था. इस व्रत के समय उन्होंने दोनों समय का खाना भी त्याग दिया था, क्योंकि उनका मानना था कि अगर आप किसी बड़ी चीज को पाने का सपना देख रहे हो तो आपको उसे पाने के लिए कोई बड़ा त्याग करना होगा. श्रीम की कहानी सुनने के बाद अमिताभ बच्चन ने केबीसी के सेट पर उनकी पसंदीदा मिठाई मंगवाई और उन्होंने वो रसमलाई खिलाकर श्रीम का व्रत तोड़ा.

क्रिकेटर बनना था, लेकिन बन गए ज्योतिष

अपनी जिंदगी के बारे में दिलचस्प बात अमिताभ बच्चन के साथ शेयर करते हुए श्रीम ने कहा कि वो शुरुआत से एक अच्छे क्रिकेटर बनना चाहते थे. अपने इस सपने को सच बनाने के लिए उन्होंने खूब तैयारी भी शुरू कर दी थी.

सलमान खान संग गाना बनाया तो घर पर हुई फायरिंग, सिंगर AP Dhillon ने अब तोड़ी चुप्पी

मशहूर सिंगर और रैपर एपी ढिल्लों ने इंस्टाग्राम के ज़रिए फैंस को बताया है कि वो सुरक्षित हैं. बीते रोज़ कनाडा में वैंकूवर के विक्टोरिया आइलैंड में एपी ढिल्लों के घर पर गोलीबारी की गई थी. इस हमले के बाद सनसनी मच गई. हमले की जिम्मेदारी जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई गैंग के सदस्य रोहित गोदारा ने ली. बताया गया कि वैंकूवर के अलावा टोरंटो के वुडरिज में भी गोलीबारी की गई है. इस हमले के बाद अब एपी ढिल्लों ने रिएक्शन दिया है.गोलीबारी की घटना के कुछ घंटे के बाद एपी ढिल्लों ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक स्टोरी शेयर की है, जिसमें उन्होंने कहा है, मैं सुरक्षित हूं. मेरे लोग सुरक्षित हैं. जिन्होंने हमसे संपर्क किया, उनसब का शुक्रिया. आपका समर्थन हमारे लिए सबकुछ है.इसके अलावा उन्होंने इंस्टा पर एक वीडियो पोस्ट भी डाला है, जिसमें वो गाना गाते दिख रहे हैं. उनके पास एक शख्स बैठा है, जो गिटार बजा रहा है. उन्होंने पोस्ट में लिखा, प्यार फैलाते रहिए.

सलमान की वजह से फायरिंग

काला हिरण शिकार मामले को लेकर लॉरेंस बिश्नोई और उसके गैंग के लोग लंबे वक्त से सलमान खान को धमकियां देते रहे हैं. कुछ महीने पहले तो सलमान खान के घर पर गोलीबारी तक की गई थी. अब कुछ रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि एपी ढिल्लों के घर पर हुई गोलीबारी की वजह सलमान से उनकी करीबी है. दरअसल हाल ही में एपी ढिल्लों ने सलमान खान के साथ एक बाना बनाया है 'ओल्ड मनी'. एपी के इस वीडियो में सलमान ने काम किया है.एपी ढिल्लों का पूरा नाम अमृतपाल सिंह ढिल्लों हैं. वो इंडियन-कनैडियन रैपर और पंजाबी सिंगर हैं. उनके गानों को युवा काफी पसंद करते हैं. एपी ढिल्लों के हिट गानों में ब्राउन मुंडे, एक्सक्यूसेज, समर हाई, विद यू, दिल नू और इनसेन शामिल है. एपी के गानों को यूट्यूब पर करोड़ों व्यूज़ मिलते हैं. इंस्टा पर एपी ढिल्लों के 35 लाख से ज्यादा फोलोवर्स हैं.

कनाडा में इस सिंगर के घर भी हुआ था हमला

एपी ढिल्लों पहले पंजाबी सिंगर नहीं हैं, जिनके कनाडा वाले घर पर लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने गोलीबारी की है. उनसे पहले पंजाबी सिंगर गिप्पी गरेवाल के घर पर भी इस गैंग ने फायरिंग की थी. बिश्नोई गैंग ने गिप्पी के व्हाइट रॉक नेबरहुड वैंकूवर में मौजूद घर पर हमले की जिम्मेदारी ली थी.

सलमान खान के घर पर हमला

इस साल 14 अप्रैल को सलमान खान के घर पर सुबह सवेरे मोटरसाइकिल सवार दो लोगों ने ताबड़तोड़ कई राउंड गोलियां बरसाई थीं. मुंबई में गैलेक्सी की दीवारों पर गोलियां लगी थीं. जिस वक्त हमला हुआ सलमान घर पर ही थे. बाद में पुलिस ने इस मामले में गोलीबारी करने वाले लोगों को गुजरात से गिरफ्तार किया था. इस केस में करीब 6 लोगों की गिरफ्तारी हुई है. इस हमले के बाद से सलमान खान की सुरक्षा और भी चाकचौबंद कर दी गई. अब वो जहां भी जाते हैं, उनके साथ भारी सुरक्षाबल तैनात रहता है.

शिक्षक हमें ज्ञान देने के साथ ही जीवन को जीने की कला सिखाते हैं: अधिष्ठाता डॉ. डी परमहंस

मेडिकल कॉलेज में मनाया गया शिक्षक दिवस

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- श्रीमंत राजमाता विजयाराजे सिंधिया चिकित्सा महाविद्यालय एवं चिकित्सालय शिवपुरी में गरुवार को एमबीबीएस छात्र-छात्राओं के द्वारा शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षक सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया। कॉलेज अधिष्ठाता ने डॉ. डी परमहंस वतौर मुख्यातिथि शिरकत की। एमबीबीएस छात्र-छात्राओं स?हित चिकित्सा शिक्षकों ने भी विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया।इस दौरान अधिष्ठाता डॉक्टर डी परमहंस, विभागाध्यक्ष एवं पूर्व डीन डॉक्टर ईला गुजरिया, विभागाध्यक्ष एवं पूर्व डीन डॉक्टर के.बी. वर्मा ,अधीक्षक डॉक्टर आशुतोष चौऋषि,विभागाध्यक्ष डॉक्टर राजेश अहिरवार, विभागाध्यक्ष डॉक्टर पंकज शर्मा, विभागाध्यक्ष डॉक्टर अनंत राखोंडे, विभागाध्यक्ष डॉक्टर अपराजिता तोमर सहित कॉलेज के समस्त वरिष्ठ सीनीयर, जूनियर डॉक्टर्स, नर्सिंग ऑफिसर, पैरामेडिकल स्टाफ के साथ एमबीबीएस छात्र - छात्राऐं उपस्थित हुए। कार्यक्रम संयोजन एवं सफल संचालन

उप रजिस्ट्रार डॉक्टर ऊरवशी मारवाह द्वारा किया गया।
कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अधिष्ठाता डॉक्टर डी.परमहंस ने कहा कि शिक्षक हमारे जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, इसलिए शिक्षक को भगवान से ऊपर का दर्जा दिया गया है। शिक्षक हमें ज्ञान देने के साथ ही जीवन को जीने की कला सिखाते हैं। वे जीवन में होने वाली चुनौतियों से लड़ना सिखाते हैं और भविष्य के बेहतर निर्माण के लिए प्रेरणा देते हैं। हमारे देश में टीचर्स को सम्मान देने के लिए प्रतिवर्ष 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के लिए रूप में सेलिब्रेट किया जाता है। विश्व भर में शिक्षक दिवस को 5 अक्टूबर को मनाया जाता है लेकिन भारत में इस दिन को भारत के पहले उपराष्टपति और दूसरे राष्टपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के उपलक्ष्य में 5 सितंबर को मनाया जाता है। साथ ही यह भी कहा कि डॉ. राधाकृष्णन एक विद्वान, शिक्षक और प्रसिद्ध दार्शनिक भी थे। उनका जन्म 5 सितम्बर 1888 को तिरुत्तनी में हुआ था। उनको देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान ÷भारत रत्न÷ से सम्मानित किया गया था। उनके द्वारा एजुकेशन क्षेत्र में किये गए कार्यों को ध्यान में रखते हुए शिक्षक दिवस को 5 सितंबर को मनाये जाने का फैसला किया गया। कहा जाता है कि डॉ. राधाकृष्णन के स्टूडेंट्स और अन्य मित्रों ने मिलकर उनके जन्मदिवस को धूमधाम से सेलिब्रेट करने के लिए कहा। लेकिन वह इसके पक्षधर नहीं थे और उन्होंने इसे मनाने से मना कर दिया। उन्होंने कहा कि इस दिन अगर सभी शिक्षकों को सम्मान दिया जाना चाहिए न कि मुझ अकेले को। इसके बाद से उनकी जयंती को देश में नेशनल टीचर्स डे के रूप में घोषित कर दिया गया। पहली बार राष्टीय शिक्षक दिवस 5 सितंबर 1962 को मनाया गया था।

मारुति सुजकी प्रेम मोटर्स प्रा.लि.मुरैना ने शा.मा. वि. जौरी में मनाया शिक्षक दिवस

अनिल कुशवाह, पुष्पांजलि टुडे

मुरैना। मारुति सुजकी के मेनेजर चेतन्य सेंगर, बलबीर सिकरबार टीम लीडर,इरफान हुसेन सिद्धीकी ऋद्व योगेंद्र यादव आंशू तोमर कपिल कस्यप पूरी टीम के साथ मारुति सुजकी के बारे में बारीकी से समाझाइस दी कोनसी ठीक है किसका एवरेज ठीक है केसे फाइनेंस होगी सभी को बडे प्रेम के साथ समझाया बाल दिवश पर बच्चो ने भी रंग बिरगीं लीलाये की मारुति की टीम ने समस्त स्टाफ को अपनी तरफ सेडायरी,पेन उपहार दिया साथ में सबके लिये लंच व्यवस्था भी की थी।

बच्चे शभी खुश नजर आ रहे थे- स्कूल प्रभारी राजेंद्र पचोरी ने कहा जो व्यक्ति अपने शिक्षक का सम्मान नहीं करता इतिहास उसे स्थान नहीं देता उसे गति नहीं देता। जिला अध्यक्ष रामनरेश डण्डोतिया ने कहा अध्यापक अपने युग का किसान होता है जो कलम के हल से, कागज की जमीन पर शब्दों की फसल उगाता है एक मेहनती किसान के पसीने से सींचे अर्थवान शब्दों की फसल जब लहलहाती है तब राष्ट का मस्तक हिमालय से ऊंचा उठकर आसमान को चुम्बन देता है। प्र.अ.राजेंद्र पचोरी,कमलेश उपाध्याय,पुष्पा धाकरे,अजय कुमार बंशल,विवेक शर्मा,श्रीमती मंजू शर्मा,अंजना तोमर,रामदाश नारोलिया,शारदा त्यागी,पूजा दुवे,हर्षिता राणा,अंकिता तिवारी,अनुराग गोयल,रामबेटी शर्मा,ममता गोड,शरद चतुर्वेदी सरला,शान्ती,रेखा, परमार,अनीता परमार बाहिद हुशैन सिद्धीकी, बंदना,विमला खेरन, कुलश्रेष्ठ, उमा भारती मोदी, समापन पर कमलेश उपाध्याय ने कहा आपने हमारा स्कूल चुना कार्यक्रम भी अति उत्तम रहा हम आपके रिणी है सबको सहयोग करने के लिये धन्यवाद जी

सार्वजनिक स्थान पर शराब पीकर उत्पात करने वाले आरोपी को गिरफ्तार

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी - कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत आने वाल पार्क, आमजनो के घूमने कि लिये बने स्थानो पर पुलिस बल उपलब्ध कराने एवं आमजनो को कोई परेशानी न हो इस हेतु आज दिनांक 05.09.24 को सूचना मिली कि रेल्वे स्टेशन शिवपुरी पर एक व्यक्ति शराब पीकर उत्पात कर लोगों को परेशान कर रहा है सूचना की तस्दीक हेतु थाने से बल को उक्त स्थान पर रवाना किया तो एक व्यक्ति शराब पीकर उत्पात कर रहा था जो लोगो के समझाने एवं पुलिस के समझाने पर भी नहीं माना जिससे लोगो में भय का वातावरण उत्पन्न हुआ जो उक्त व्यक्तियों को तत्काल ही मौके पर गिरफ्तार कर थाना लाकर शांति व्यवस्था हेतु इस्त.क. 128/24 धारा 170,126/135(3) बीएनएसएस कायमी कर आरोपी को एसडीएम न्यायालय शिवपुरी पेश किया गया। आरोपी का जुलूस निकाला गया बाद आरोपी व्दारा थाना पर भविष्य में लडाई झगडा न करने की बात स्वीकार की एवं भविष्य में अच्छी तरह रहना बताया थाना कोतवाली पुलिस व्दारा सार्वजनिक क्षेत्रों व आमजनो के घूमने वाले स्थल पार्को व मुख्य चौराहो पर लगातार पुलिस बल तैनात किया जाकर असामाजिक तत्वो के विरुध्द कार्यवाही की जा रही है जो निरंतर जारी रहेगी।

सराहनीय भूमिका- उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी थाना कोतवाली रोहित दुबे, प्रआर.792 रविन्द्र सिनोरिया, प्रआर. 15 रघुवीर सिंह, प्रआर0 142 नरेश यादव, प्र0आर0 505 श्याम शर्मा, आर0 मुकेश वर्मा, आर0 अनित बुनकर की विशेष भूमिका रही।

रील का चक्कर: गुरुद्वारा में रील बनाने पर युवती ने मांगी माफी: सिख समाज ने जताई नाराजगी, धार्मिक स्थलों को नहीं छोड़ रहे

दैनिक पुष्पांजलि टुडे से
सतीश परिहार

शिवपुरी जिले के करैरा कस्बे के गुरुद्वारे में एक युवती ने रील बनाकर इंस्टाग्राम आईडी पर डाल दी। वायरल होने के बाद युवती को अब गुरुद्वारे में जाकर माफी मांगनी पड़ी हैं। गौरतलब है कि गुरुद्वारा में रील वीडियो बनाने पर रोक था। इसके बावजूद युवती ने फेमस होने के चक्कर में गुरुद्वारे में जाकर रील बनाकर इंस्टाग्राम आईडी पर डाल दिया था। जानकारी के मुताबिक, करैरा कस्बे की रहने वाली एक अन्य समाज की युवती कुछ दिन पहले करैरा के गुरुद्वारा घूमने गई हुई थी। इस दौरान उसने गुरुद्वारा परिषद पर ठुमके लगाते हुए एक गाने पर वीडियो बनवा लिया था। इस वीडियो को युवती ने अपने इंस्टाग्राम आईडी पर पोस्ट कर

दिया था। हालांकि, युवती की रील वायरल होकर सिख समाज के लोगों तक पहुंची थी। इससे सिख समाज ने नाराजगी जाहिर की थी।
सिख समाज के रोष के बाद कार्रवाई की बात सामने आई थी। हालांकि, युवती ने गुरुद्वारा पहुंचकर अपनी गलती को स्वीकार कर लिया। गुरुद्वारे के प्रबंधकों ने कहा- गुरुद्वारे में रील्स वीडियो और फोटोग्राफी पर रोक है। हालांकि, युवती ने अज्ञानता में ऐसा किया। उन्होंने कहा- युवती ने अपनी गलती को स्वीकार किया और माफी मांगी। इस वजह से हमने उसे माफ कर दिया है। सिख समाज करैरा कमेटी ने कहा- यह एक सराहनीय कदम है। युवती ने अपनी गलती को स्वीकार किया और माफी मांगी। उन्होंने कहा कि हमें अपनी गलतियों को स्वीकार करना चाहिए और माफी मांगनी चाहिए और दूसरों को भी माफ करना चाहिए।

महामहिम राष्ट्रपति जी को पत्र लिखकर इस संशोधन को रोके जाने की अपील की

केंद्र सरकार द्वारा लोकसभा में वक्फ़ संशोधन विधेयक ला कर वक्फ़ बोर्ड के मौलिक अधिकारों को छीनने एवं बिल को संसदीय समिति में भेजे जाने पर पाली नगर परिषद के पूर्व पार्षद एवं जिला वक्फ बोर्ड के प्रवक्ता आमीन अली रंगरेज ने लोकसभा के संयुक्त सचिव (जे एम) संसदीय समिति को मेल कर अपनी आपत्ति जताई और महामहिम राष्टपति महोदया को पत्र लिखकर इस संशोधन को रोके जाने की अपील की। पूर्व पार्षद आमीन अली रंगरेज ने पत्र में लिखा की वक़्फ़ संशोधन विधेयक पर लोकसभा में मुस्लिम सांसदों ने कड़ी आपत्ति जताई और इसे मुस्लिम समुदाय के अधिकारों में हस्तक्षेप के रूप में देखा गया है। रंगरेज ने बिल की खामियों को उजागर करते हुए कहा कि यह विधेयक वक़्फ़ संपत्तियों पर सरकारी नियंत्रण बढ़ाने का प्रयास है, जिससे मुस्लिम समुदाय की धार्मिक और सांस्कृतिक स्वायत्तता पर असर पड़ सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार इस विधेयक के माध्यम से वक़्फ़ बोर्डों की स्वतंत्रता को कम करने की कोशिश कर रही है, जिससे समुदाय के हितों को नुकसान हो सकता है अपनी नाराजगी खुलकर जाहिर की और बिल को वापस लेने की मांग की।

वाल्मीकि समाज की बैठक के आयोजकों के संग समीक्षा बैठक को अध्यक्ष

नगीना। वाल्मीकि समाज के कद्दावर नेता चद्रपाल वाल्मीकि ने कहा कि समाज का जिला प्रधान बनाए जाने को लेकर बनाई गयी कौर कमेटी का विस्तार इसी सप्ताह के भीतर किया जाएगा ताकि चुनाव सरल वे पारदर्शिता के साथ कराया जा सके। वे मंगलवार की देर शाम रेलवे स्टेशन स्थित एक प्रतिष्ठान पर बिजनौर में हुई जिला वाल्मीकि समाज की बैठक के आयोजको के संग समीक्षा बैठक को अध्यक्ष पद से संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कोर कमेटी का विस्तार किया जाना है, जिसमें ग्रामीण अंचलों से भी साफ छवि होने के उपरांत शीघ्र ही कोर कमेटी की बैठक बैठक में चुनाव संबंधी नियमावली तैयार की जाएगी, जिसमें प्रधान पद के इच्छुक प्रत्याशी को अपना आवेदन शुल्क के साथ आगामी 15 से 20 सितंबर 2024 तक जमा करने, नवनिर्वाचित जिला प्रधान का कार्यकाल 3 या 5 वर्ष का होगा साथ ही जिला प्रधान पद का प्रत्याशी किसी आपराधिक गतिविधियो में सम्मिलित ना हो ऐसे प्रत्याशियों के आवेदन स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए। क्योंकि जिला प्रधान का पद सम्मान से भरा होता है इसीलिए समाज का जिला प्रधान ईमानदार और साफ छवि वाले प्रत्याशियों के ही आवेदन स्वीकार किए जाने चाहिए। ताकि कोर कमेटी के प्रति समाज में एक अच्छा संदेश जाना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट करते हुए कहा कि जिला प्रधान का चुनाव हो या फिर सिलेक्शन हो कोर कमेटी किसी के साथ मतभेद नहीं करेगी और ना ही किसी के दबाव में आकर कार्य करेगी।

श्याम सिंह वाल्मीकि ने कहां के जिला प्रधान बनाना वाल्मीकि समाज के लिए समय की पुकार है उन्होंने कोर कमेटी के साथ-साथ समस्त वाल्मीकि समाज के लोगों से प्रधान पद के चुनाव में अपना योगदान और समय दें ताकि वाल्मीकि समाज के सामने खड़ी विभिन्न समस्याओं का समाधान कराया जा सके उन्होंने यह भी कहा कि जिस समाज का कोई मुखिया नहीं होता उसका कोई सानी भी नहीं होता और यही एक सबसे बड़ी वजह है कि आज समाज की पीड़ा सुनने वाला कोई नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि आज वाल्मीकि समाज किस दोर और परिस्थितियों से जूझ रहा है वह किसी से छुपा भी नहीं है इस समीक्षा बैठक में 1 सितंबर को की समाज का जिला प्रधान चुने जाने को लेकर एजाज अली हाल बिजनौर में हुई जिला स्तरीय बैठक में संजय, विशाल, पारचा , मनोज वाल्मीकि, सचिन वाल्मीकि,, राजकुमार चावला, रामपाल सिंह, आदि मौजूद रहे।

संगठन पर्व भाजपा के सदस्यता अभियान शुभारंभ पर विधायक रेणुका सिंह ने दिलाई शिल्पा को भाजपा की सदस्यता

कोरिया। भाजपा के सदस्यता अभियान- 2024 के शुभारंभ अवसर पर %संगठन पर्व सदस्यता अभियान-2024 के जिला स्तर पर सफल क्रियान्वयन हेतु भाजपा कार्यालय बैकुंठपुर में कार्यक्रम आयोजित की गई । कार्यक्रम की मुख्य अतिथि पूर्व केंद्रीय मंत्री व भरतपुर सोनहत विधानसभा क्षेत्र की विधायक श्री मति रेणुका सिंह ने भाजपा कोरिया एनजीओ प्रकोष्ठ की अध्यक्ष शिल्पा शर्मा को भाजपा की ऑनलाइन सदस्यता दिलाते हुए सदस्यता अभियान की शुरुआत किया । साथ ही भाजपा के सदस्यता अभियान को व्यापक पैमाने पर जन जन तक अवगत कराते हुए उन्हें भाजपा परिवार में शामिल करने की रणनीति पर कार्यकर्ताओं से विचार साझा किया, विधायक रेणुका सिंह ने बताया की टोल फ्री नंबर 8800002024 पर मिस्ड कॉल के जरिए फिर से भाजपा की सदस्य ली जा सकती है। भाजपा के %संगठन पर्व, सदस्यता अभियान 2024 के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक रेणुका सिंह ने कहा की प्रधानमंत्री मोदी देश के प्रधान सेवक होने के नाते प्रशासन की बारीकियों में व्यस्त रहते हैं। इसके बावजूद उन्होंने हमेशा इस बात को माना है कि संगठन प्रथम है। इसलिए जब भी संगठन को आवश्यकता पड़ी है उन्होंने व्यस्त समय में भी संगठन को प्राथमिकता देने के लिए वे पार्टी को आगे बढ़ाने की चिंता करते हैं। मैं उनका अभिनंदन करती हूं। बीजेपी इकलौती पार्टी है जो सदस्यता रिन्यू करती है । हमारी पार्टी दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी तो है ही साथ ही राजनीतिक दलों में अनूठी पार्टी भी है। कोई राजनीतिक दल लोकतांत्रिक तरीके से हर 6 साल में सदस्यता अभियान नहीं करती। भाजपा अकेली ऐसी पार्टी है, जिस पर हमें गर्व है। भाजपा के संविधान के मुताबिक, हर 5-6 साल बाद नए सिरे से सबको फिर से पार्टी का सदस्य बनाया जाता है। कोरोना संकट के समय यह सदस्यता अभियान सीमित रूप से नही चल पाया था, लेकिन अब 2 सितंबर से पार्टी फिर से पूरे देश में अपना सदस्यता अभियान (महापर्व) शुरू कर चुकी है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2014 तक चीन की कम्युनिस्ट पार्टी दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी हुआ करती थी लेकिन 2014 में जब भाजपा के 11 करोड़ सदस्य बने, उसके बाद भाजपा दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बन गई। भारतीय जनता पार्टी का लक्ष्य फिलहाल 10 करोड़ से अधिक लोगों को भाजपा का सदस्य बनाने का है। उन्होंने बताया की 2014-15 में 11 करोड़ लोगों ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की थी। वर्ष 2019 में चले सदस्यता अभियान में 7 करोड़ लोग शामिल हुए थे यानी 2019 तक लगभग 18 करोड़ लोग भाजपा के सदस्य बने थे । और जो लक्ष्य अब बढ़कर काफी ज्यादा हो चुका है और उसे हम सभी भाजपा कार्यकर्ता एक साथ मिलकर पूरी ईमानदारी और मेहनत से पूरा करेंगे ताकि आने वाले नगरीय चुनाव में भाजपा को मजबूती मिले और हमेशा की तरह भारतीय जनता पार्टी विश्व पटल पर अपनी आभा लिए देश हित में कार्य करती रहे । सदस्यता अभियान के शुभारंभ अवसर पर पूर्व कैबिनेट मंत्री व बैकुंठपुर विधायक भईया लाल राजवाड़े ने बताया की 2 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पार्टी के राष्टीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा के हाथों भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर इस अभियान की शुरुआत की थी। इसके अगले दिन 3 सितंबर को छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आहूत भव्य कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष किरण देव के हाथों सदस्यता ग्रहण कर प्रदेश में इस अभियान की शुरुवात की । उसी तरह अब बारी हम आप की है । भाजपा का सदस्य बनना हमारे लिए सबसे बड़े गर्व की तरह है । भाजपा के विस्तार और मजबूती के लिए ज्यादा-से-ज्यादा सदस्य बनाएंगे और सदस्यता का पूरा डाटा रखेंगे। पार्टी के सभी जिला, मंडल, मोर्चा और प्रकोष्ठों को सदस्यता का निर्धारित लक्ष्य पूरा करना है। जिला अध्यक्ष कृष्ण बिहारी जायसवाल ने बताया की भारतीय जनता पार्टी की तमाम उपलब्धियां आप सभी कार्यकर्ताओं की बदौलत ही आज वैश्विक स्तर अपनी अमिट छाप बनी हुई है और इसे और मजबूती देने सहित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन विकसित भारत अभियान 2047 के लक्ष्य को हासिल करने की मुहिम पर अपनी सहभागिता दर्ज करानी है । जायसवाल ने मुख्य अतिथि विधायक रेणुका सिंह के राजनीतिक जीवन के संघर्षों को साझा करते हुए कार्यकर्ताओं को बताया की जिस तरह रेणुका जी ने शून्य से बिना संसाधन के अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत किया और संगठन के लिए समर्पित रहकर केंद्रीय नेतृत्व में साझेदारी दर्ज कराया और आज एक सफल नेत्री के रूप में भारतीय जनता पार्टी की कद्दावर नेताओं की छवि में शुमार होती हैं। बस इसी तरह आप सभी कार्यकर्ताओं को संगठनात्मक रूप से दृणता पूर्वक कार्य करना है ताकि भारतीय जनता पार्टी की साख सदैव ऊंची और शिखर पर बनी रहे । सदस्यता अभियान 2024 के शुभारंभ अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में भरतपुर सोनहत विधायक व पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री मति रेणुका सिंह , पूर्व कैबिनेट मंत्री व बैकुंठपुर के वर्तमान विधायक भईया लाल राजवाड़े , जिला अध्यक्ष कृष्ण बिहारी जायसवाल , जिला उपाध्यक्ष लक्ष्मण राजवाड़े , देवेंद्र तिवारी , राजेश सिंह ,शैलेश शिवहरे , जिला महामंत्री पंकज गुप्ता , विनोद साहू , जिला पंचायत सदस्य वंदना राजवाड़े , रीता तिवारी , नपा अध्यक्ष नविता शिवहरे सहित महिला मोर्चा , युवा मोर्चा के कार्यकर्ता और बड़े पैमाने पर आम शहरी उपस्थित रहे।

कर्म विद्या मंदिर मसूरपुट्टा में शिक्षक दिवस मनाया गया

दुधावा--जिसमें छात्रों द्वारा अपने शिक्षकों को सम्मान किया गया एवं हार्दिक सामग्री दिया गया इस अवसर पर समस्त छात्र एवं टीचर स्टाफ उपस्थित रहे तथा छात्रों द्वारा शिक्षकों की कुर्सी दौड़,हांडी फोड़ आदि प्रतियोगिता खेलों का आयोजन किया गया । इस अवसर पर प्रधानाचार्य रोमलाल साहू जी ने शिक्षक के महत्व को बच्चों को समझाया तथा सभी शिक्षिका ममता सिंहा,रवीना, दामनी, परमेश्वरी,, देविका, लातेश्वरी, मिनाक्षी साहू, योगेश्वर, ने बच्चों को शिक्षा के महत्व के संबंध में उद्बोधन दिए। और और जीवन में गुरु के महत्व को बताया गया।

गुरु ब्रम्हा,गुरु विष्णु,गुरु देवो महेश्वरा,
गुरु शक्षत प्रम्ब्रम्हा तस्मेश्री गुरवे नमः
....गुरु दिवश के अवसर पर में अपने गुरु रूपी माता और पिता को प्रणाम करते हुए अपने सभी साथियो को हार्दिक शुभकामनाये

गुरु दिवस

गुरु बिनु ज्ञान कहाँ जग माही

महाकवि तुलसीदास

'गुरु बिनु ज्ञान कहाँ जग माही' अर्थात बिना गुरु के ज्ञान प्राप्त नही होता, अतः ज्ञान की प्राप्ति के लिए गुरु का होना परम आवश्यक माना गया है।

शिक्षक दिवस पर विशेष

'अध्यापक राष्ट्र की संस्कृति के चतुर माली होते हैं। वे संस्कारों की जड़ों में खाद देते हैं और अपने श्रम से उन्हें सींचकर शक्ति में निर्मित करते हैं।' महर्षि अरविंद का उक्त कथन शिक्षक की गरिमा के सर्वथा अनुकूल ही है। शिक्षक राष्ट्र निर्माता है और राष्ट्र के निर्माण की प्रत्येक प्रक्रिया में शिक्षकीय महत्व को नकारा नहीं जा सकता ।

उर्वरायुक्त पारिवारिक धरातल पर शिक्षक संस्कारित ज्ञान की फसल बोता है और स्वच्छ एवं स्वस्थ क्षेत्रीय वातावरणीय जलवायु में श्रेष्ठता रूपी नागरिक की उन्नत उपज देता है। इस दृष्टि में शिक्षक संस्कारों का पोषक है। सही अर्थों में राष्ट्र की संस्कृति का कुशल शिल्पी है, जो संगठित, धैर्यवान, संस्कारवान, विवेकवान युवा शक्ति का निर्माण करता है। शिक्षक संस्कृति से तादात्म्य स्थापित कर शिक्षार्थी में ज्ञान के गरिमामय पक्ष का बीजारोपण करता है। फलस्वरूप शिक्षार्थी में शिक्षा के प्रति गहन अभिरुचि जाग्रत होती है। शिक्षक वह सेतु है, जो शिक्षार्थी को शिक्षा के उज्ज्वल पक्षों से जोड़ता है। संस्कारित शिक्षार्थी शिक्षा के उपवन को अपने ज्ञान-पुष्प की सुरभि से महकाते हैं तथा परिवार, समाज एवं राष्ट्र को गौरवान्वित करते हैं।

उत्तम शिक्षा, योग्य शिक्षक और अनुशासित शिक्षार्थी ही संस्कारित, सुसभ्य और स्वच्छ-स्वस्थ समाज का निर्माण करने का सामर्थ्य रखते हैं। संस्कृति का उद्गम ही श्रेष्ठ संस्कारोंके गर्भ से होता है, जिससे सामाजिक गतिविधियों को सांस्कृतिक शक्ति का संबल प्राप्त होता है।

राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में शिक्षक की भूमिका का कोई सानी नहीं है। विद्यार्थियों में स्नेह, सद्भाव, भ्रातृत्व भाव, नैतिकता, उदारता, अनुशासन जैसे चारित्रिक सद्गुणों की समष्टि गुरु के माध्यम से ही संभव होती है। समाज-जीवन में स्नेह एवं सद्भाव तथा सामंजस्य की सद्प्रेरणा गुरु से ही प्राप्त होती है क्योंकि शिक्षा का मूल उद्देश्य ही चरित्र निर्माण करना है। शिक्षक शिक्षा के माध्यम से विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का हरसंभव प्रयास करता है। शिक्षक को एक ऐसा दीपक माना गया है जो सेवापर्यंत दीप्तमान रहते हुए विद्यार्थियों के प्रगतिपथ को अपने ज्ञान का आलोक प्रदान करता रहता है।

ज्ञान दे संस्कार दे,
और बनाये शिष्यों का जीवन चमन
शीश झुकाकर करते हैं हम-सब,
ऐसे गुरू-देव को शत्-शत् नमन।

हर बर्ष की तरह इस बार भी भारत के भूतपूर्व राष्ट्रपति डॉ0 सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिवस के दिन यानि 5 सितम्बर को पूरे भारतवर्ष में शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। वास्तव में यह दिन गुरू-शिष्य के पवित्र रिश्ते को उजागर करता है। लेकिन वर्तमान-काल में यह दिन शिक्षक दिवस के रूप मे मनाया जाना लगा है अर्थात् शिक्षक और विद्यार्थी का दिन। गुरू और शिक्षक में बहुत अन्तर है। शिक्षक अपने विद्यार्थियों को केवल शिक्षा देता है और विद्यार्थी अपने शिक्षक से विद्या को ग्रहण करते हैं, परन्तु जो गुरू होता है वह अपने शिष्यों को शिक्षा, विद्या सहित ज्ञान देता है। ज्ञान जिसका प्रयोग शिष्य अपने सम्पूर्ण जीवन-काल तक कर सकता है। प्राचीनकाल से ही गुरूओं का बोलबाला रहा है और गुरू के दिये ज्ञान पर ही शिष्य अमल करते आए हैं। मगर गुरू शब्द ने जब से शिक्षक का रूप ले लिया है, तबसे शिक्षक और विद्यार्थियों के बीच एक अलग ही अन्तर सा पैदा हो गया है। गुरूओं से हटकर शिक्षकों ने अपने मूल्यों में परिबर्तन कर लिया है। इन परिवर्तनों के कारण ही अब शिक्षकों का अपने विद्यार्थियों के प्रति उतना लगाव नही रह गया है और न ही उनके प्रति उतना निष्ठा का भाव रह गया है। इसलिए प्रत्येक शिक्षक को गुरू बनकर अपने शिष्य को गुरू-ज्ञान देना चाहिए और प्रत्येक विद्यार्थी को एक सच्चे शिष्य के रूप मे उस गुरू-ज्ञान को ग्रहण कर अपने जीवन में उतारना चाहिए। तब तो शिक्षक दिवस मनाये जाने का कोई मतलब बनता है, अन्यथा अन्य कई दिवसों की तरह यह दिवस भी सिर्फ ढोंग दिवस का ही प्रारूप बनकर रह जायेगा।

एक सच्चे शिष्य हेतु दो पंक्तियाँ प्रस्तुत है:-
बनकर दिखलाओ सच्चा शिष्य
और अर्जित करो गुरू का ज्ञान,
गुरू के ज्ञान को जीवन में उतारो
और सारे जग में बढाओ गुरू का मान।

गुरु के प्रति व्यक्त करें अपनी भावनाएं

गुरु गोविन्द दोउ खड़े काके लागु पांव, बलिहारी गुरु आपने गोविन्द दियो बताय। कबीर दास द्वारा लिखी गई यह पंक्तियां जीवन में गुरु के महत्व को वर्णित करने के लिए काफी हैं। जीवन में माता-पिता का स्थान कभी कोई नहीं ले सकता क्योंकि वे ही हमें इस रंगीन खूबसूरत दुनिया में लाते हैं। उनका ऋण हम किसी भी रूप में उतार नहीं सकते लेकिन जिस समाज में हमें रहना है, उसके योग्य हमें केवल शिक्षक ही बनाते हैं। यद्यपि परिवार को बच्चे के प्रारंभिक विद्यालय का दर्जा दिया जाता है लेकिन जीने का असली सलीका उसे शिक्षक ही सिखाता है। समाज के शिल्पकार कहे जाने वाले शिक्षकों का महत्व यहीं समाप्त नहीं होता क्योंकि वह ना सिर्फ आपको सही मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करते हैं बल्कि आपके सफल जीवन की नींव भी उन्हीं के हाथों द्वारा रखी जाती है। इसीलिए गुरु की महत्ता को समझते हुए हर वर्ष भारत में पूर्व राष्ट्रपति सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिवस यानि 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। कच्चे घड़े की भांति स्कूल में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को जिस रूप में ढालो, वे ढल जाते हैं। वे स्कूल में जो सीखते हैं या जैसा उन्हें सिखाया जाता है वे वैसा ही व्यवहार करते हैं। उनकी मानसिकता भी कुछ वैसी ही बन जाती है जैसा वह अपने आसपास होता देखते हैं। सफल जीवन के लिए शिक्षा बहुत उपयोगी है जो हमें गुरु द्वारा प्रदान की जाती है। गुरु का संबंध केवल शिक्षा से ही नहीं होता बल्कि वह तो हर मोड़ पर आपका हाथ थामने के लिए तैयार रहता है। आपको सही सुझाव देता है और जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है। गुरु-शिष्य परंपरा भारत की संस्कृति का एक अहम और पवित्र हिस्सा है, जिसके कई स्वर्णिम उदाहरण हमारे इतिहास में दर्ज हैं। लेकिन वर्तमान समय में कई ऐसे लोग भी हैं जो अपने अनैतिक कारनामों और लालची स्वभाव के कारण इस परंपरा पर गहरा आघात कर रहे हैं। 'शिक्षा' जिसे अब एक व्यापार समझकर बेचा जाने लगा है, किसी भी बच्चे का एक मौलिक अधिकार है लेकिन अपने लालच को शांत करने के लिए आज तमाम शिक्षक अपने ज्ञान की बोली लगाने लगे हैं। इतना ही नहीं वर्तमान हालात तो इससे भी बदतर हो गए हैं क्योंकि शिक्षा की आड़ में कई शिक्षक अपने छात्रों का शारीरिक और मानसिक शोषण करने को अपना अधिकार ही मान बैठे हैं। किंतु हम बात कर रहे हैं ऐसे गुरुओं की जिन्होंने हमेशा समाज के सामने एक अनुकरणीय उदाहरण पेश किया। प्रायः सख्त और अक्खड़ स्वभाव वाले यह शिक्षक अंदर से बेहद कोमल और उदार होते हैं। हो सकता है आपके जीवन में भी कभी ना कभी एक ऐसा गुरु या शिक्षक का आगमन हुआ हो जिसने आपके जीवन की दिशा बदल दी या फिर आपको जीवन जीने का सही ढंग सिखाया हो।

शिक्षक दिवस का महत्व

'शिक्षक दिवस' कहने-सुनने में तो बहुत अच्छा प्रतीत होता है। लेकिन क्या आप इसके महत्व को समझते हैं। शिक्षक दिवस माने साल में एक दिन बच्चों द्वारा टीचर्स को भेंट किया गया एक गुलाब का फूल या कोई भी गिफ्ट। नहीं यह टीचर दिवस मनाने का सही तरीका नहीं है।

टीचर्स डे हम सभी मनाते आए है। आपने भी मनाया है। हमने भी मनाया है। लेकिन इस दिन को मनाना तभी सही मायने में सार्थक सिद्ध होगा जब आप अपने टीचर के प्रति सही नजरिया रखें। पिछले कुछ ही समय में ऐसी कई घटनाएँ देश और दुनिया में घटी है जो आपके व्यवहार, वातावरण और संस्कारों के अनुरूप नहीं है। चाहे वह घटना 'सभरवाल कांड' हो या फिर किसी शिक्षक द्वारा भरी क्लास में या एकांत में स्कूली छात्रा के कपड़े का नाप लेना हो। या फिर किसी शिक्षक द्वारा बच्चे के कपड़े उतारकर उसे दंडित करना हो। यह सब बातें हमें किस ओर इंगित करती है। यह समझना आज बहुत जरूरी हो गया है। या तो शिक्षक वो शिक्षक नहीं रहे जो अपने छात्रों को वह सही संस्कार दे सकें। या फिर आजकल के शिक्षकों में अहंकार, अत्याचार, ईर्ष्या और द्वेष का भाव बहुत ज्यादा मात्रा में आ गया है। यह सब मैं इसलिए नहीं कह रही हूँ कि मैं शिक्षकों का आदर करना नहीं जानती, या फिर मैं शिक्षकों के खिलाफ हूँ।

बात ऐसी नहीं है... रोजाना हमारे आमने-सामने, हमारे आस-पास घटित होने वाली उन घटनाओं सोचने पर मजबूर कर दिया है कि आखिर ये सब हो क्या रहा है? क्या किसी भी छात्र संगठन के छात्रों द्वारा शिक्षकों को अपमानित करना, उनके साथ मारपीट करना ये वाक्या किस हद ते क सही है। अभी हाल ही में एक स्कूल 10वीं-11वीं के छात्र ने अपने टीचर की जमकर धुनाई कर दी थी। उस छात्र ने ऐसा क्यों किया यह सोचना भी एक बहुत बड़ा पहलू है। अगर हम मान भी लेते है कि हो सकता है उस बच्चे की कोई मजबूरी रही हो, या उस बच्चे को गुस्सा बहुते ज्यादा आता हो तो शिक्षक द्वारा कहीं गई बातों का, शिक्षक द्वारा उस छात्र के साथ किए गए व्यवहार से आहत होकर उस बच्चे ने इतना घिनौना कदम उठाया। बात जो भी हो, लेकिन तरीका तो गले त ही हुआ। शिक्षक को हम विद्या का वरदान देने वाले भगवान का दर्जा देते आए है। उनके प्रति हमारे मन असीम प्यार, और स्नेह छुपा होता है। तो फिर छात्र द्वारा अपने शिक्षक के साथ किया गया यह व्यवहार कैसा? क्या आजकल के बच्चों को स्कूलों में सही शिक्षा, सही वातावरण नहीं मिल रहा है या फिर आपके घर के संस्कारों में कुछ कमी है। जो आप जरा-जरा सी बात पर मरने-मारने पर उतारूँ हो जाते है। अगर आप शिक्षक दिवस का सही महत्व समझना चाहते है तो सर्वप्रथम आप इस बात को हमेशा ध्यान रखें कि आप एक छात्र है, और

अपने शिक्षक से उम्र में काफी छोटे है। और फिर हमारे संस्कार भी तो हमें यही सिखाते है कि हमें अपने से बड़ों का आदर करना चाहिए। अपने गुरु का आदर-सत्कार करना चाहिए। उनकी बात को ध्यान से सुनना और समझना चाहिए। अगर आपने अपने क्रोध, ईर्ष्या को त्याग कर अपने अंदर संयम के बीज बोएँ तो निश्चित ही आपका व्यवहार आपको बहुत ऊँचाइयों तक ले जाएगा। और तभी हमारा शिक्षक दिवस मनाने का महत्व भी सार्थक होगा।

परिवार कल्याण केंद्र कंपू द्वारा किया गया शिक्षकों का सम्मान

ग्वालियर- परिवार कल्याण केंद्र कंपू द्वारा शिक्षकों का सम्मान किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती सुनीता सिकरवार जी उपस्थिति रही ।उन्होंने शिक्षकों को बधाई दी एवं कार्यक्रम की सराहना की। कार्यक्रम में सर्वप्रथम स्वर्गीय शिक्षक श्री सुभाष सिंह चौहान जी की प्रतिमा पर माल्या अर्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इसके बाद डॉक्टर सुजाता बापट जी द्वारा 15 शिक्षकों का सम्मान तुलसी के पौधे देकर किया। एवं या संदेश दिया कि शिक्षक हमेशा एक बीज का काम करता है और वह जब पनपता है तो एक राष्ट का निर्माण करता है शिक्षा और स्वास्थ्य दोनों ही एक दूसरे के पूरक है शिक्षक श्री सरोज मंडेलिया जी द्वारा बताया कि बच्चे की प्रथम गुरु मां होती है उसके बाद शिक्षक ही उसको नए जीवन जीने की कला सिखाते हैं और बह बच्चा बड़ा होकर जब कहीं मिलता है और कहता है कि यह मेरी टीचर है मुझे इन्होने पढ़ाया है तो हर शिक्षक को गर्भ महसूस होता है कार्यक्रम में श्रीमती सरोज मंडोलिया, जेनव खान तनु भदोरिया फरहाना खान, खुशी जी, निकिता जी रामकली जी,ममता जी राबिया जी, गीता सूर्यवंशी, अनीता नागोरी, कुसुम लता शाक्य ,संगीता विश्वकर्मा ,मोनू बाथम इरशाद खान, सफीउल्लाह खान, आदि उपस्थित रहे।

सादिक खान मेव शानू बने भारतीय जनता पार्टी सदस्यता अभियान के मप्र अल्पसंख्यक मोर्चा के सह-संयोजक

भोपाल। भाजपा वरिष्ठ युवा नेता एवम राष्ट्रीय महासचिव ऑल इंडिया मुस्लिम मेव विकास परिषद (प्रभारी मप्र) के सादिक खान मेव शानू को मप्र भाजपा ने नई जिम्मेदारी सौंपी है, उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के भारतीय जनता पार्टी के संगठन पर्व सदस्यता अभियान में मप्र अल्पसंख्यक मोर्चा में प्रदेश सह- संयोजक का दायित्व सौंपा गया है, यह जिम्मेदारी उनको प्रदेश कार्यालय भाजपा भोपाल के अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष एम एजाज खान ने वरिष्ठ नेतृत्व की सहमती से एक पत्र जारी कर दी हे। इस नियुक्ति पर भाजपा कार्यकर्ताओं एवं वरिष्ठ नेतृत्व ने सादिक खान मेव शानू को बधाई दी, वहीं इस मौके पर सादिक खान मेव शानू ने प्रदेशाध्यक्ष एम एजाज खान एवं वरिष्ठ नेतृत्व का आभार जताया एवं कहा कि मध्यप्रदेश अल्पसंख्यक मोर्चा द्वारा 5 लाख सदस्य बनाने का जो संकल्प लिया गया है उस अभियान को महाअभियान बनाने में और 5 लाख सदस्यों के लक्ष्य को हासिल करने में संगठन व कार्यकर्ताओं के सहयोग से इस संकल्प को पूर्ण करेंगे।

जिला पंचायत सीईओ ने विश्वकर्मा प्रदर्शनी में पहुँचकर शिल्पियों को किया प्रोत्साहित

ग्वालियर चेम्बर ऑफ कॉमर्स भवन परिसर में लगे विश्वकर्मा प्रदर्शनी सह व्यापार मेला में पहुँचकर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विवेक कुमार ने शिल्पियों व कारीगरों से चर्चा की। उन्होंने प्रदर्शनी के शिल्पकारों से उनके हुनर व उत्पादों से संबंधित पहलुओं की जानकारी ली। साथ ही उनकी कड़ी मेहनत और उत्कृष्टता की सराहना की। इस अवसर पर मध्य प्रदेश चेंबर ऑफ कॉमर्स इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष श्री प्रवीण अग्रवाल और एमएसएमई विकास कार्यालय इंदौर के संयुक्त निदेशक श्री राजीव एस भी मौजूद थे। विश्वकर्मा प्रदर्शनी सह व्यापार मेला卐 केन्द्र व राज्य सरकार के एमएसएमई विभाग द्वारा लगाया गया है। प्रदर्शनी में मध्य प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए कारीगरों और शिल्पकारों द्वारा अपने अद्वितीय कला और शिल्प का प्रदर्शन किया गया है। प्रदर्शनी का उद्देश्य प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के तहत कारीगरों और शिल्पकारों को प्रोत्साहन प्रदान करना और उनके हुनर को सामने लाना है।

भाजपा घर-घर पहुंचकर सदस्यता अभियान को साकार करेगी

संगठन पर्व हमारे लिए सबसे बड़ा त्यौहार, इसे ऐतिहासिक बनाया जायेगा

दैनिक केसरिया हिंदुस्तान

ग्वालियर, ग्वालियर सांसद भारत सिंह कुशवाह ने भारतीय जनता पार्टी के संगठन पर्व सदस्यता अभियान को लेकर गुरुवार को होटल एंबीएंस में आयोजित पत्रकार-वार्ता को संबोधित किया। श्री भारत सिंह कुशवाह ने कहा कि 2 सितंबर से पार्टी अध्यक्ष श्री जेपी नड्डा ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी को सदस्य बनाकर अभियान की शुरूआत कर दी है। उसके बाद मध्यप्रदेश में 3 सितंबर को भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं मप्र मंत्रिमंडल के सदस्यों को पार्टी की सदस्यता ग्रहण कराकर प्रदेश में संगठन पर्व का शुभारंभ किया है। इस संगठन पर्व का मुख्य उद्देश्य, देश में 10 करोड़ से अधिक लोगों को भारतीय जनता पार्टी का सदस्य बनाना है। यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा घर-घर पहुंचकर सदस्यता अभियान को साकार करेगी। मध्यप्रदेश में 1.50 करोड़ नए सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा गया है। ग्वालियर जिले में डेड़ लाख नये सदस्य बनाये जायेंगे।

यह संगठन पर्व सर्वस्पर्शी एवं सर्वसमावेशी होगा-सांसद श्री भारत सिंह कुशवाह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी इस सदस्यता प्रक्रिया को संगठन पर्व कहती है, क्योंकि भाजपा के लिए राष्ट प्रथम है। उमंग और उत्साह के साथ यह पर्व शुरू हो गया है, जिसे साकार रूप पार्टी के एक-एक कार्यकर्ता को करना है। यह संगठन पर्व सर्वस्पर्शी होगा, जिसमें शीर्ष से बूथ स्तर तक सबको मौका दिया जाएगा कि वो पार्टी की सदस्यता ग्रहण करें। यह अभियान सर्वसमावेशी होगा, जिसमें सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मंत्र से हर वर्ग को भारतीय जनता पार्टी से जुडने का अवसर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि संगठन पहापर्व का प्रथम चरण 1 सितंबर से प्रारंभ हो चुका है जो 24 सितंबर तक चलेगा। जबकि दूसरा चरण 1 अक्टूबर से 15 अक्टूबर तक रहेगा। सक्रिय सदस्यता अभियान 16 से 31 अक्टूबर तक चलेगा तथा प्राथमिक एवं सक्रिय सदस्यता रजिस्टर करने की तिथि 1 नवंबर से 10 नवंबर तक होगी।

भाजपा का यह अभियान चार आयामों पर आगे बढेगा-सांसद श्री भारत सिंह कुशवाह ने कहा कि सदस्यता अभियान का मूल उद्देश्य भारतीय जनता पार्टी की विचारधारा का विस्तार करना है। भारतीय जनता पार्टी का यह अभियान चार आयामों पर आगे बड़ेगा। एक आयाम है मिस्ड कॉल 8800002024,

जिसके माध्यम से लोग पार्टी से जुड़ सकेंगे। दूसरा आयाम है क्यूआर कोड। स्मार्ट फोन का उपयोग करने वाले लोग क्यूआरकोड के माध्यम से भारतीय जनता पार्टी के सदस्य बन सकते हैं। तीसरा आयाम नमो एप एवं चौथा आयाम भारतीय जनता पार्टी की वेबसाइट के माध्यम से भी सदस्यता ग्रहण कर सकते हैं।

सदस्यता अभियान आंकड़ों को बड़ाने का नहीं परिवार विस्तार का अभियान है-सांसद भारत सिंह कुशवाहे ने कहा कि यह भाजपा की लोकतांत्रिक प्रक्रिया ही है जो पार्टी को अन्य लगभग 1500 राजनीतिक दलों से अलग खड़ा करती है। लोकसभा चुनाव में भाजपा कार्यकर्ताओं की अथक मेहनत से ही प्रदेश की सभी 29 लोकसभा सीटों पर ऐतिहासिक विजय प्राप्त की है। भारतीय जनता पार्टी का संगठन पर्व केवल आंकड़ों को बड़ाने और सत्ता सुख भोगने के लिए नहीं हैं, बल्कि जनता का दुख-दर्द दूर करने के साथ-साथ देश का मान-सम्मान बड़ाने के लिए है। जब हमारी केवल दो सीटें थी तब सत्ताधारी दलों ने हमारा मजाक उड़ाया था, तब श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी ने कहा था जितना मजाक उड़ाना है उड़ा लीजिए, लेकिन एक दिन वक्त बदलेगा, सूरज निकलेगा, अंधेरा छटेगा और कमल खिलेगा। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी एक कार्यकर्ता आधारित संगठन है। चाइना में कुछ साल पहले कम्युनिष्ट पार्टी के 9 करोड़ सदस्य थे, लेकिन 2019 में हमारी पार्टी के 18 करोड़ सदस्य बन गए। इस बार संगठन पर्व का जो टारगेट मिला है, उसे हम कार्यकर्ताओं की मेहनत की बदौलत जरूर पूरा करेंगे। उन्होंने कहा कि पं. दीनदयाल उपाध्याय जी कहते थे कि जो हमारा परंपरागत विरोधी है वह हमारा मतदाता बने और हमारा जो मतदाता बना है वह भारतीय जनता पार्टी का सदस्य बने। जो भारतीय जनता पार्टी का कार्यकर्ता बनेगा तो वह भारत माता को परम वैभव पर पहुंचायेगा।

प्रधानमंत्री का हाथ मजबूत करने सभी मतदाताओं को सदस्य बनाएं-सांसद भारत सिंह कुशवाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी गरीबों का जीवन संवारने के लिए कार्य कर रहे हैं। वे एक गरीब के घर में पैदा हुए, इसलिए उन्हें गरीबों का दुख और दर्द अच्छे से पता है। प्रधानमंत्री बनते ही नरेन्द्र मोदी ने गरीबों को पक्की छत देने के लिए पीएम आवास योजना शुरू की। गांव-गांव पक्की सड़क और स्वच्छ पेय जल उपलब्ध कराने के लिए जल जीवन मिशन लागू किया। कोरोना संक्रमण काल आया तो प्रधानमंत्री जी ने देश के 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन देने की योजना चलाई, जो आज भी चल रही है। गरीबों के बेहतर स्वास्थ्य के लिए आयुष्मान योजना लागू करके देश के हर गरीब को 5 लाख रूपए के मुफ्त इलाज की गारंटी पदान की। जो गरीब पक्के मकान से वंचित रह गए हैं, उन्हें तीसरी बार प्रधानमंत्री बनते ही श्री नरेन्द्र मोदी जी ने 3 करोड़ पक्के मकान बनाने को मंजूरी प्रदान कर दी है। जो देश की आम जनता, महिला, गरीब, युवा, किसान की जिंदगी को संवार रहे हैं, ऐसे इसलिए कर पा रहे हैं, क्योंकि कार्यकर्ताओं ने मजबूत संगठन के साथ प्रदेश की सभी 29 लोकसभा सीटों पर ऐतिहासिक विजय दिलाई है। प्रधानमंत्री जी के हाथ को और मजबूती देने के लिए अधिक से अधिक संख्या में लोगों को पार्टी का सदस्य बनाकर मोदी जी को और ताकतवर बनाने का कार्य करें। जिलाध्यक्ष अभय चौधरी ने सांसद भारत सिंह कुशवाह को सदस्यता दिलाकर पार्टी का सदस्यता प्रमाण पत्र भेंट किया। जिला महामंत्री एवं सदस्यता अभियान प्रभारी श्री विनय जैन ने जिलाध्यक्ष श्री अभय चौधरी को पार्टी की सदस्यता का प्रमाण पत्र भेंट किया। इस अवसर पर मंच सभापति मनोज तोमर, संभागीय मीडिया प्रभारी राजलखन सिंह, विनोद शर्मा, राजू पलैया, जिला मीडिया प्रभारी नवीन चौधरी, जिला मंत्री एवं जिला सदस्यता अभियान सह प्रभारी धर्मेन्द्र सिंह कुशवाह, दारा सिंह सेंगर एवं श्री विवेक शर्मा उपस्थित रहे।

दस्तावेजों में गड़बड़ी करने वाले सर्विस प्रोवाइडर के लायसेंस निरस्त करें: कलेक्टर

दैनिक केसरिया हिंदुस्तान

ग्वालियर। सेवा प्रदाता (सर्विस प्रोवाइडर) द्वारा अचल संपत्तियों के पंजीयन (रजिस्ट्री) के लिए अपलोड किए गए दस्तावेजों की बारीकी से जाँच करें। जिस सेवा प्रदाता द्वारा दस्तावेजों में गड़बड़ी कर स्टाम्प ड्यूटी की चोरी करने की जुर्रत की जाए, उनके लायसेंस निरस्त कराए जाएँ। इस आशय के निर्देश कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने वरिष्ठ जिला पंजीयक एवं जिला पंजीयक को दिए। वे गुरुवार को जिला पंजीयक कार्यालय पंजीयन एवं मुद्रांक का औचक निरीक्षण करने पहुँचीं थीं।

कलेक्टर श्रीमती चौहान ने किया जिला पंजीयन कार्यालय का औचक निरीक्षण

कलेक्टर श्रीमती चौहान ने जोर देकर कहा कि जमीन, मकान, दुकान व अन्य व्यवसायिक संपत्ति के पंजीयन से पहले सभी उप पंजीयक यह देखें कि सर्विस प्रोवाइडर द्वारा अपलोड किए गए सभी दस्तावेज प्रमाणित हैं कि नहीं। साथ ही यह भी सुनिश्चित करें कि जिस संपत्ति का पंजीयन होने जा रहा है उससे संबंधित कोई निर्माण सर्विस प्रोवाइडर द्वारा छुपाया तो नहीं गया है। इस बात की भी बारीकी से जांच करें कि जिस अचल सम्पत्ति की रजिस्ट्री होने जा रही है वह व्यवसायिक है या गैर व्यवसायिक । इसके अलावा यह भी देखें कि ग्रामीण क्षेत्र में कृषि की जमीन रोड के नजदीक है तो रोड की ड्यूटी लगाकर पंजीयन करें। जो सर्विस प्रदाता तथ्यों को छुपाकर दस्तावेज पंजीयन कराता है उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई करें। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि सर्विस प्रोवाइडर द्वारा गड़बड़ी की जाती है तो उसका पंजीयन निरस्त करने के साथ-साथ अन्य कानूनी कार्रवाई भी की

जाए, अन्यथा संबंधित उप पंजीयक भी जवाबदेह होंगे। गुरुवार को कलेक्टर श्रीमती चौहान के अचानक जिला पंजीयक कार्यालय पहुँचने पर बहुत से सर्विस प्रोवाइडर अपने कार्यालय में ताला डालकर भाग गए। इस पर कलेक्टर ने नाराजगी जताई। उन्होंने जिला पंजीयक से इन सभी सर्विस प्रोवाइडर की सूची मांगी है। साथ ही इन सभी को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने जिस जमीन पर सर्विस प्रोवाइडर के कार्यालय बने हैं उस जमीन की जाँच कराने के निर्देश भी दिए हैं। साथ ही कहा है कि जमीन सरकारी होने पर इन लोगों को बेदखल कर जमीन को सुरक्षित किया जाए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने एक सर्विस प्रोवाइडर के कार्यालय में पहुँचकर रजिस्ट्री के लिए ऑनलाइन दस्तावेज अपलोड करने की प्रक्रिया देखी। साथ ही दस्तावेजों मसलन खसरा, नक्शा इत्यादि के प्रिंट आउट निकलवाकर देखे। इसके बाद उप पंजीयक कार्यालय में पहुँचकर दस्तावेजों के पंजीयन, क्रेता-विक्रेता व गवाहों के सत्यापन की प्रक्रिया का बारीकी से जायजा लिया। कलेक्टर श्रीमती चौहान ने सभी उप पंजीयकों को निर्देश दिए कि संपत्ति का क्रय-विक्रय कर रहे लोगों व गवाहों के पहचान दस्तावेजों की बारीकी से जांच की जाए। साथ ही शासन के प्रावधानों के तहत रजिस्ट्री की प्रक्रिया को अंतिम रूप दें। किसी भी हालत में राजस्व की हानि नहीं होनी चाहिए। उन्होंने उप पंजीयक कपिल व्यास के कार्यालय के बाहर नेम प्लेट न होने पर नाराजगी जताई। साथ ही निर्देश दिए कि सभी उप पंजीयकों के कार्यालय सुव्यवस्थित हों और क्रय-विक्रय के लिये आने वाले लोगों की बुनियादी सुविधाओं का ध्यान रखा जाए। कलेक्टर ने इस दौरान जिला पंजीयक व वरिष्ठ जिला पंजीयक के कार्यालयों का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान संयुक्त कलेक्टर संजीव जैन, वरिष्ठ जिला पंजीयक दिनेश गौतम व जिला पंजीयक अशोक शर्मा सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

सेंथरी के दस्तावेज की जाँच संबंधित एसडीएम से कराई जायेगी-निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान के संज्ञान में एक ऐसी रजिस्ट्री आई है जो कृषि भूमि पर आवासीय प्लॉट के रूप में पंजीकृत की गई थी। ग्वालियर शहर के अंतर्गत ग्राम सेंथरी से संबंधित इस दस्तावेज की जाँच संबंधित एसडीएम से कराने के निर्देश उन्होंने दिए हैं। साथ ही स्पष्ट किया है कि कृषि भूमि को आवासीय जमीन के रूप में बेचकर अवैध कॉलोनी विकसित करने की कोशिश करने वालों के खिलाफ जिला प्रशासन द्वारा सख्त कार्रवाई की जायेगी।

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478